प्रेरणास्त्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा वाटिका

लोहारू से प्रकाशित | सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 224 पृष्ठ: 08, मूल्य: रु. 1.00 बुधवार, 18 जून 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

ढाई लाख करोड़ रुपए हुआ रेलवे का वार्षिक बजट: रेल मंत्री

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल के लोकार्पण समारोह में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों के दौरान रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा क्रांतिकारी बदलाव आया है। आज रेलवे का वार्षिक बजट 2.50 लाख करोड़ रुपए है जबकि पहले यह 24 से 25 हजार करोड़ रुपए वार्षिक था। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई वर्ष के दौरान ही 1200 से ज्यादा जनरल कोच रेलवे को मिले हैं। वहीं पैसेंजर ट्रेनों के अपग्रेडेशन की बात करें तो देश को जल्द ही 100 नई मेन लाइन ईएमयू (मेमू) गाड़ियां मिलेंगी। कम दूरी की यात्राओं के लिए नई मेमू में 16 और 20 कोच होंगे जोकि पुरानी मेमू में 8 और 12 होंगे। इसी तरह 50 नई नमो भारत पैसेंजर गाड़ियां भी रेल नेटवर्क में शामिल होंगी।

हरियाणा में रेल की शत-प्रतिशत लाइनों का हुआ विद्युतीकरण

उन्होंने हरियाणा के सोनीपत में स्थित रेल कारखाने का जिक्र करते हुए कहा कि इस कारखाने के आधुनिकीकरण की परियोजना भी तैयार की जा रही है। जल्द ही इस परियोजना का काम भी शुरू होगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में आज प्रदेश में रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है। बीते 11 वर्षों में हरियाणा में रेल नेटवर्क के विस्तार पर बोलते हुए रेल मंत्री ने कहा कि 2014 से पहले हरियाणा 315 करोड़ रुपए का बजट मिला था जबकि 2014 से अब तक 3416 करोड़ रुपए

गुरुग्राम में गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल का हुआ लोकार्पण

हरियाणा ने लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा ने लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को भारत सरकार में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ गुरुग्राम के मानेसर स्थित मारुति प्लांट में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। आईएमटी मानेसर स्थित मारुति सुजुकी प्लांट में स्थापित यह टर्मिनल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत तैयार किया गया है जोकि भारत में विश्व स्तरीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित करने की दिशा में एक बड़ी योजना है। इस पूरी परियोजना पर 1 लाख 17 हजार 91 मिलियन रुपए की लागत आई है। इसमें हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 55.4 प्रतिशत, एचएसआइआइडीसी की 19 प्रतिशत और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण की 5 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

देश के 380 शहरों और दो बंदरगाहों से हुई कनेक्टविटी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देश के

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव गुरुग्राम के मानेसर में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्लांट में गति-शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल से गाड़ियों को लेकर जाने वाली माल गाड़ी को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए। (17.06.2025)

दूसरे और हरियाणा के पहले गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल के लोकार्पण समारोह में पहुंचने पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का स्वागत किया। उन्होंने लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुग्राम में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल की शुरूआत हरियाणा की विकास गाथा में एक नए स्वर्णिम अध्याय का शुभारंभ है। यह सिर्फ लोह-इस्पात का ढांचा नहीं, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के विजन को साकार करने में मील का पत्थर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्गो टर्मिनल से न केवल मानेसर और गुरुग्राम प्लांट में बनी गाड़ियां देश के 17 हब और 380 शहरों तक पहुंचेंगी, बल्कि पीपावाव और मुंद्रा जैसे बंदरगाहों तक निर्यात होने वाले वाहन भी भेजे जाएंगे। यह हरियाणा को वैश्विक सप्लाई चेन से सीधे तौर पर जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि इस ऐतिहासिक परियोजना को साकार करने में हरियाणा सरकार एक प्रमुख भागीदार है।

देश का एक प्रमुख ऑटोमोबाइल विनिर्माण हब बना हरियाणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हरियाणा देश का एक प्रमुख ऑटोमोबाइल विनिर्माण हब बन चुका है। इस समय भारत में बनने वाली कारों का लगभग 50 प्रतिशत उत्पादन हरियाणा में किया जा रहा है। हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मारुति के आंतरिक रेलवे यार्ड का विकास किया जाना, हमारी 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। राज्य ने लॉजिस्टिक्स हब बनने की अपनी प्रतिबद्धता को पुष्ट करते हुए पूरे हरियाणा में कौशल बढ़ाने के लिए विभिन्न उद्योग निकायों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ भी साझेदारी की है।

प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच पी.एम. गतिशक्ति का एक उत्कृष्ट उदाहरण कार्गो टर्मिनल

मुख्यमंत्री ने कहा यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच पी.एम. गतिशक्ति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक क्रांति है। जिसमें देश के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के तरीके को बदलने का एक संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरद्दष्टिता ने पूर्व निर्धारित कार्य संस्कृति को बदलते हुए होल ऑफ द गवर्नमेंट एप्रोच यानि संपूर्ण सरकार की साझा सोच को जन्म दिया है।

सैनी ने कहा कि पीएम गति शक्ति एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो रेल, सडक, बंदरगाह, हवाई अड्डे, जलमार्ग और लॉजिस्टिक्स जैसे सभी महत्वपूर्ण विभागों को एक साथ लाता है। मारुति सुजुकी की रेलवे साइडिंग इसी विजन का जीता-जागता प्रमाण है। यहाँ मारूति प्लांट के अंदर बनी कारें सीधे कार्गो ट्रेन में लोड होंगी और देश के कोने-कोने तक पहुंचेंगी।

हरियाणा, पंजाब व चंडीगढ़ के विकास के लिए अम्बाला-चंडीगढ़ के मध्य मेट्रो चलाना जरूरी: विज

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने अम्बाला-चंडीगढ़ के मध्य मेट्रो ट्रेन चलाने को लेकर केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल से गत दिनों मुलाकात कर चर्चा की। श्री अनिल विज ने आज उक्त मामले को लेकर पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश है। यहां कामकाज व व्यापार को लेकर प्रतिदिन हरियाणा-पंजाब आते-जाते हैं। मगर चंडीगढ़ जाने के लिए एकमात्र सड़क पर भारी यातायात होने के कारण जाम की स्थिति रहती है।

इसलिए हरियाणा, पंजाब व चंडीगढ़ के विकास के लिए यहां मेट्रो रेल जरूरी है। उन्होंने बताया कि मोहाली एयरपोर्ट को भी मेट्रो रूट से जोड़ा जाए। श्री विज ने यह भी कहा कि मेट्रो रेल लगाने की नींव डाली जा चुकी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान देना देश के 140 करोड़ लोगों के लिए सम्मान की बात: विज

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान मिलना देश के 140 करोड़ लोगों के लिए सम्मान की बात है। श्री नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री है जिन्हें कई देशों में सर्वोच्च सम्मान मिल चुका है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति के कारण आज हिंदुस्तान का सारे विश्व में सम्मान बढ़ा है यह उसी का नतीजा है।

सरार्फा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के कीमत में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,050 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सरार्फा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये से लेकर 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,000 रुपये से लेकर 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज 100 रुपये की मामूली तेजी आई है।

19 व 20 जून को वितरित होंगे सीनियर सैकण्डरी वार्षिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा सीनियर सैकेण्डरी वार्षिक परीक्षा मार्च-2025 के विद्यालयी/गुरुकुल/विद्यापीठों के परीक्षार्थियों के प्रमाण-पत्र, कम्पार्टमैंट/अनुत्तीर्ण कार्ड एवं माईग्रेशन प्रमाण-पत्र प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों पर 19 जून, 2025 को भेजे जा रहे हैं। इस आशय की जानकारी देते हुए बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश के सभी सीनियर सैकण्डरी विद्यालयों/गुरुकुलों/विद्यापीठों के मुखिया उनके विद्यालय के परीक्षार्थियों के प्रमाण-पत्र, कम्पार्टमेंट/अनुत्तीर्ण कार्ड एवं माईग्रेशन प्रमाण-पत्र 19 जून, 2025 को प्रातः 11:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक तथा 20 जून, 2025 को प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक संबंधित जिला में स्थित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। यदि विद्यालयों/गुरुकुलों/विद्यापीठों के मुखिया किन्हीं अपरिहार्य कारणों से उक्त वर्णित तिथियों में प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो ऐसी अवस्था में 20 जून, 2025 के उपरान्त बोर्ड मुख्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि जिला भिवानी के प्रमाण-पत्र, कम्पार्टमैंट/अनुत्तीर्ण कार्ड एवं माईग्रेशन प्रमाण-पत्र बोर्ड मुख्यालय के कमरा नं० 98 में वितरित किये जायेंगे।

मुझे एक दिन सीएम की कुर्सी दो, सारे बदमाश एक दिन में प्रदेश छोड़कर भाग जाएंगे: अभय

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

मंगलवार को प्रदेश में कानून व्यवस्था, सीईटी पेपर, एचएयू में छात्रों की बर्बरतापूर्वक पिटाई और एचपीएससी में हो रही धांधली जैसे ज्वलंत मुद्दों को लेकर इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला ने बीजेपी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने बड़े दावे के साथ कहा कि उन्होंने बिना पर्ची बिना खर्ची के रोजगार दिया। लेकिन सच्चाई यह है कि 100 में से 80 पोस्ट पर बाहरी लोगों को भर्ती किया। सीईटी पेपर देने के लिए सरल पोर्टल बना रखा है जिसे जानबूझ कर ठप्प रखा गया जिसके कारण लाखों बच्चे आवेदन करने से वंचित हो गए।

सीईटी के लिए आवेदन करने के लिए 15 दिनों का समय और बढ़ाया जाए। प्रेस वार्ता में इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपप्रधान आरएस चौधरी, पूर्व डीजीपी एमएस मलिक, प्रधान महासचिव प्रकाश भारती, महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला और संगठन सचिव उमेद लोहान समेत वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

बेहद कम रेट में पिट रही मक्का और सूरजमुखी: हुड्डा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि एकबार फिर बीजेपी के उस दावे की पोल खुल गई है, जिसमें वो 24 फसलों पर एमएसपी देने की बात करती है। आज मंडियों में किसान की मक्का और सूरजमुखी एमएसपी से बेहद कम रेट में पिट रही है और सत्ताधारी बीजेपी आंखें बंद करे बैठी है। कुरुक्षेत्र, अंबाला, करनाल, कैथल और आसपास के क्षेत्रों की मंडियों में दोनों फसलों की आवक जोरो पर है। लेकिन किसानों को 2400 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी की बजाए मक्का का सिर्फ 1000 से 1400 रुपये ही रेट मिल रहा है। पूरी तरह सूख चुकी फसल का रेट भी ज्यादा से ज्यादा 1800 रुपये ही मिल रहा है। इसी तरह कागजों में सूरजमुखी की 7280 रुपये है।

लेकिन किसानों को बमुश्किल 6400 रुपये भाव मिल पा रहा है। यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकारी खरीद नहीं हो रही है। खुद खरीद करने की बजाए सरकार ने जानबूझकर किसानों को प्राइवेट एजेंसियों के हवाले कर दिया। अब एजेंसियां मनमाने रेट पर फसल खरीद रही हैं और प्रति क्विंटल किसानों को 500 से 1000 रुपये का घाटा हो रहा है।

अधिकारियों को एमटीपी और अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के निर्देशों पर हरियाणा में लिंगानुपात सुधारने के लिए गठित राज्य टास्क फोर्स की साप्ताहिक बैठक आज यहां अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य श्री सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अधिकारियों को राज्य के सभी एमटीपी (गर्भावस्था का चिकित्सा समापन) और अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए ताकि कोई भी अवैध लिंग परीक्षण और गर्भपात न हो सके। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग को उन 393 आंगनवाड़ी कार्यकताओं (सहेली के

रूप में नियुक्त) के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिए, जिनके क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं (जिनकी पहले से बेटियां हैं) ने अवैध गर्भपात करवाया है। बैठक में उन्होंने अवैध लिंग जांच एवं गर्भपात के मामलों की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों का सौ फीसदी पंजीकरण होना चाहिए। उन्होंने मेवात , गुरुग्राम , पलवल तथा फरीदाबाद जिला में जन्म लेते ही उन बच्चों का तुरंत पंजीकरण करने पर बल दिया और इस कार्य में एनजीओ (स्वयं सहायता संगठनों) की मदद लेने की भी सलाह दी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किन्नर समाज से भी मीटिंग करें और उनको समझाएं कि गर्भ में पल रही कन्या का गर्भपात करवाना सामजिक संतुलन को नुकसान पहुंचाता है। किन्नर समाज के लोग जब लड़का होने पर बधाई मांगने जाते हैं तो वे पूछताछ करें कि यह बच्चा क्या दो या तीन लड़कियों के बाद पैदा हुआ है।

, अगर ऐसी सूचना मिलती है तो उसके बारे में स्वास्थ्य विभाग की जानकारी में लाएं।

नीट यूजी 2025: नारनौल के पारस यादव ने हासिल की ऑल इंडिया रैंक 381

एईएसएल के 26 अन्य छात्र भी टॉप रैंकर्स में शामिल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 17 जून। टेस्ट प्रिपरेटरी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि नारनौल शाखा के 27 छात्रों ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी नीट यूजी 2025 परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किए हैं। यह असाधारण प्रदर्शन छात्रों की प्रतिबद्धता, शैक्षणिक अनुशासन और एईएसएल द्वारा प्रदान किए गए विश्वस्तरीय कोचिंग व मार्गदर्शन का परिणाम है। यह परिणाम कल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित किए गए।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड, नारनौल शाखा के प्रमुख छात्रों ने नीट यूजी 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। पारस यादव ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 381 प्राप्त की, उनके बाद गोपेश शर्मा (एआईआर 872), मुस्कान गर्ग (एआईआर 1457), दीपेश (एआईआर 2402), दीपांशु (एआईआर 2459), करण (एआईआर 3221), कुनाल सांघी (एआईआर 4365), और अंजलि (एआईआर 5265) जैसे छात्रों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की, जो इस शाखा की मजबूत शैक्षणिक प्रणाली और छात्रों की मेहनत को दशार्ता है।

ये सभी छात्र एईएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम में नामांकित थे, जिसे विशेष रूप से नीट जैसी कठिन मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए तैयार किया गया है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय एईएसएल द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव, अवधारणाओं की स्पष्टता और अनुशासित व निरंतर अध्ययन दिनचर्या को दिया।

हम आकाश के अत्यंत आभारी हैं जिन्होंने इस पूरे सफर में हमारा मार्गदर्शन किया। सुव्यवस्थित अध्ययन सामग्री, विशेषज्ञ शिक्षण और व्यक्तिगत मेंटरिंग ने हमें जटिल विषयों को कम समय में समझने में सहायता की। एईएसएल के बिना यह सफलता संभव नहीं थी, छात्रों ने साझा किया।

एईएसएल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सुरेंद्र चौहान ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, नीट यूजी 2025 में हमारे छात्रों के शानदार प्रदर्शन पर हमें अत्यधिक गर्व है। इतने अच्छे अंक प्राप्त करना कोई आसान कार्य नहीं है, खासकर तब जब इस परीक्षा में देशभर से लाखों छात्र भाग लेते हैं।

ये परिणाम न केवल छात्रों की मेहनत और दृढ़ निश्चय को दशार्ते हैं, बल्कि उनके माता-पिता के समर्थन और हमारी अकादमिक टीम के समर्पण को भी दशार्ते हैं। हम उनके चिकित्सा करियर में निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

मोनिका श्योराण बनी यूथ कांग्रेस की हल्का उप प्रधान

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 17 जून। हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस संगठन के हाल ही में घोषित चुनाव परिणाम में मोनिका श्योराण को लोहारू हल्के से उप प्रधान चुना गया है। गौरतलब है कि मार्च माह में युवा कांग्रेस के चुनाव ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा आयोजित किए गए थे जिसका परिणाम सोमवार को घोषित किया गया। नवनियुक्त हल्का उपाध्यक्ष मोनिका श्योराण ने अपनी नियुक्ति पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व विधायक सोमवीर सिंह, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा सहित पूरी युवा कांग्रेस टीम का आभार व्यक्त किया। मोनिका श्योराण कहा कि वे संगठन द्वारा उन पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने के लिए वे अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं को पार्टी से जोड़ने का काम करेगी और आमजन की आवाज को मजबूती से उठाएंगे।

ऑनलाइन वोटिंग से चुने गए प्रतिनिधि, युवाओं का मिला समर्थनः-

नवनियुक्त उपाध्यक्ष मोनिका श्योराण ने बताया कि यह नियुक्ति पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया से की गई है। इसमें 18 से 35 वर्ष तक के युवाओं ने ऑनलाइन वोटिंग प्रक्रिया में हिस्सा लिया था और उन्हें युवाओं का समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल उनकी नहीं बल्कि पूरे युवा वर्ग और बहनों की है अब संगठन को नई दिशा दी जाएगी। ध्यान रहे कि मोनिका श्योराण इससे पहले करीब पांच साल यूथ कांग्रेस में महिला महासचिव के पद के साथ-साथ वे युवा कांग्रेस में कई अहम पदों पर रह चुकी हैं। उन्होंने विशेष तौर पर पूर्व विधायक चौधरी सोमवीर सिंह और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष लोहारू समीर चौधरी का आभार वक्त किया।

एचडीएफसी इर्गो ने हरियाणा में किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

HDFC ERGO

सोनीपत, 17 जून। भारत की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को हरियाणा सरकार ने खरीफ, 2025 सीजन के लिए हिसार, सोनीपत, गुरुग्राम, करनाल, अंबाला, जींद और महेंदरगढ़ जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है।पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, भूस्खलन, चक्रवात, तूफान, ओलावृष्टि, सैलाब, कीट, बीमारियों आदि जैसे कई बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर उसका संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि किसान को फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा। इस योजना में फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवर मिलेगा, जिसमें कटाई-पूर्व, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम शामिल हैं। पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पाद हरियाणा सरकार के कृषि विभाग से अनुमोदित हैं। हिसार, सोनीपत, गुरुग्राम, करनाल, अंबाला, जींद और महेंदरगढ़ जिलों के किसान अपने जिले में स्थित बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) या फिर अधिकृत एचडीएफसी इर्गो एजेंट से संपर्क करके ऊपर सूचीबद्ध फसलों के लिए पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत बीमा कवर प्राप्त कर सकते हैं। इंश्योरेंस कवर प्राप्त करने के लिए वैध अवधि का विवरण कृषि विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। किसान इस योजना का लाभ पाने के लिए किसान ऐप पर लॉगऑन करके या वेबसाइट https://pmfby.gov.in/farmerLogin पर जाकर सेल्फ-एनरोलमेंट करा सकते हैं।

एमवे इंडिया द्वारा इम्युनिटी पोर्टफोलियो का विस्तार

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 17 जून। सेहत क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एमवे इंडिया ने न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट के साथ अपनी पोषण श्रेणी उत्पादों में वृद्धि की है। प्लांट प्रोटीन-आधारित पूरक, एसरोला चेरी, हल्दी और लीकोरिस की प्राकृतिक ताकत के साथ वैज्ञानिक रूप से तैयार किया गया है। इस शक्तिशाली फॉमूर्लेशन में ऐसे पोषक तत्व हैं जो शरीर में ट्रिपल-एक्शन फॉमूर्ला के साथ कार्य करते हैं - प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना, सूजन को कम करना तथा आंत, त्वचा और प्रतिरक्षा स्वास्थ्य के लिए मजबूत एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा प्रदान करना।

एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक, रजनीश चोपड़ा ने लॉन्च के अवसर पर टिप्पणी करते हुए, कहा कि चूंकि खराब पोषण देश के आधे से अधिक लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है इसलिए समग्र स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ, प्लांट प्रोटीन आधारित उपायों की आवश्यकता आज पहले से कही ज्यादा है। आज के उपभोक्ता पहले की तुलना में अच्छे स्वास्थ्य को ज्यादा प्राथमिकता दे रहे हैं। 52 फीसदी व्यक्ति सप्लीमेंट्स से सबसे बड़े लाभ के रूप में मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली चाहते हैं - जो समग्र स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता की बढ़ती मांग को रेखांकित करता है। उपभोक्ता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए और उत्पाद नवाचार क्षेत्र में तेजी लाने की हमारी रणनीतिक व्यावसायिक प्राथमिकता के हिस्से के रूप में, हमें अपने नवीनतम नवाचार - एमवे द्वारा न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट को पेश करते हुए बहुत खुशी हो रही है । यह अनूठा फॉमूर्लेशन प्रतिरक्षा, आंत और त्वचा को मजबूत बनाने के लिए विज्ञान-समर्थित अवयवों को एक साथ लाता है, जिससे व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति सक्रिय, समग्र दृष्टिकोण अपना सके। सबसे पहले स्वास्थ्य- दृष्टिकोण के साथ, हम एमवे में व्यक्तियों को उनके स्वास्थ्य और सेहत पर नियंत्रण रखने और उनके स्वास्थ्य को लंबे समय तक बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं - जीवन न केवल लंबा होना चाहिए, बल्कि स्वस्थ भी होना चाहिए।

न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट टिकाऊ, प्लांट प्रोटीन-आधारित और साक्ष्य-समर्थित पोषण के फॉमूर्ले पर आधारित है। प्रत्येक खुराक में विटामिन सी की अनुशंसित दैनिक खुराक (आरडीए) की 100 प्रतिशत मात्रा मिल जाती है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली की इष्टतम अवस्था सुनिश्चित करती है। इस फॉमूर्लेशन में एसरोला चेरी का अर्क शामिल है - जो ब्राजील के उबाजरा में प्रमाणित जैविक खेतों से संधारणीय तरीकों से प्राप्त किया गया है - जिसमें आंवला की तुलना में लगभग सात गुना अधिक विटामिन-सी होता है । इसमें 40 मिलीग्राम हल्दी का अर्क (कच्ची हल्दी के 50 गुना मात्रा के बराबर) और 167 मिलीग्राम मुलेठी अर्क (कच्ची मुलेठी के छह गुना के बराबर) भी शामिल है। ये दोनों अर्क प्रमाणित जैविक खेतों से प्राप्त किए जाते हैं, जो इसके शक्तिशाली एंटी-इन्फ्लेमेट्री और एंटीऑक्सीडेंट लाभों में योगदान करते हैं। कृत्रिम रंगों, स्वादों या परिरक्षकों के बिना बनाया गया, इस सोचे-समझे फॉमूर्लेशन में ऐसे तत्व हैं जो प्रतिरक्षा, आंत और त्वचा के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं।

जेरपुर में आश्रम का ताला तोडकर हजारों का सामान चोरी, मामला दर्ज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सतनाली, 17 जून। गांव जेरपुर स्थित संत लहर आश्रम में अज्ञात चोरों ने ताला तोडकर इन्वर्टर बैटरी, दो झटका मशीन व दो पानी की मोटर चोरी कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस में दी शिकायत में गांव जेरपुर स्थित संत लहर आश्रम के संचालक गंगाराम ने बताया कि वह गत 1 जून को उदयपुर सत्संग में गया था तथा जब 15 जून को वापस आश्रम लौटा तो आश्रम का ताला टूटा हुआ मिला। इसके बाद उसने आश्रम का सामान चैक किया तो इन्वर्टर बैटरी, दो झटका मशीन व दो पानी की मोटर गायब मिली जो अज्ञात चोर आश्रम का ताला तोडकर चुरा ले गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हल्की बरसात ने खोली प्रशासन के जल निकासी व्यवस्था के दावों की पोल, जगह-जगह हुआ जलभराव

-जल निकासी व्यवस्था के अभाव में दावों तक ही सीमित है मानसून से निपटने की तैयारियां, मानसून के दौरान नगर के हालात हो जाते है विकट

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 17 जून। मंगलवार को लंबे इंतजार के बाद दोपहर बाद हुई हल्की बरसात से एक ओर जहां लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली वहीं मानसून पूर्व की इस बरसात ने नगर में नपा प्रशासन द्वारा किए जा रहे जल निकासी व्यवस्था कायम करने के दावों की पोल खोलकर रख दी है। हल्की बरसात के बाद से ही नगर में अनेक स्थानों, मुख्य गलियों व सडक मार्गों सहित बाजारों और निचले इलाके में जल भराव की स्थिति बन गई है। ऐसे में स्थानीय निवासियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। लोहारू नगर में करीब 10 एमएम बरसात हुई जिस कारण नगर के फरटिया रोड़, पिलानी रोड, सूरजगढ़ रोड, आर्य समाज मंदिर के पास, रेलवे फाटक, देवीलाल चौक तो पूरी तरह से जलमग्न हो गए जिससे सबसे अधिक परेशानी दुपहिया वाहन चालकों व पैदल राहगीरों को आवागमन के दौरान हुई। ध्यान रहे कि नगर के अति व्यस्त देवीलाल चौक पर बने गहरे गड्ढे में जलभराव होने के कारण हादसे की संभावना भी बन गई है। यह भी गौरतलब है कि नगर के देवीलाल चौक पर जल निकासी व्यवस्था कायम करने

के उद्देश्य से कुछ माह पूर्व ही लाखों रुपये खर्च किए गए है परंतु मानसून पूर्व की बरसात ने ही इस कार्य पर सवालिया निशान लगा दिए है तथा इस कार्य में भ्रष्टाचार की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

किसी का बिखरा दूध तो कोई स्कूटी से गिराः-

बरसात के बाद देवीलाल चौक पर बने गहरे गड्ढे में जलभराव के कारण राहगीरों को खासी परेशानी झेलनी पड़ी। गड्ढे में भरे पानी के कारण संतुलन बिगड़ने से किसी का दूध बिखरा तो किसी की स्कूटी गिरी। जय सिंह ने बताया कि वह दूध लेकर स्कूटी पर आ रहा था तथा सडक में गड्ढे होने से उनकी स्कूटी का बैलेंस बिगड़ गया और 5 किलो दूध की केतली पानी में गिर गई। एक महिला ने बताया कि वह किसी काम से बाजार गई थी और वापस घर आते समय देवीलाल चौक पर पानी भरा होने की वजह से गड्ढे दिखाई नहीं दिए और स्कूटी का बैलेंस बिगड़ गया और वह पानी में गिर गई। ऐसी घटनाओं से आए दिन नगरवासी परेशान रहते है तथा उनका कहना है कि शायद संबंधित विभाग किसी बड़े हादसे को इंतजार कर रहा है। उन्होंन प्रशासन से जल्द से जल्द नगर में जलनिकासी व्यवस्था कायम करवाने तथा सडक मागो की मरम्मत करवाने की मांग की है ताकि हादसो की संभावना न रहे।

मानसून सर पर, तैयारियां अधर में:-

जून माह के अंतिम सप्ताह में मानसून आने की संभावना दिखाई दे रही है परंतु मानसून सीजन नजदीक होने के बाद भी नपा व प्रशासन ने मानसूनी बरसात के दौरान जल निकासी व्यवस्था के प्रबंध करने पर कार्य शुरू नहीं किया है। ऐसे में मानसून सीजन के दौरान नगर में जलनिकासी व्यवस्था के अभाव में हालात विकट हो सकते है। ध्यान रहे कि मानसून के दौरान बरसाती पानी के निकास की उचित व्यवस्था न होने के कारण नगर में हालात विकट हो जाते है लेकिन हर बार दावों के अलावा धरातल पर काम नहीं हो पाता जिस कारण मानसून की हल्की बरसात से ही जगह-जगह जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

जलभराव का कारण बनती है ओवरफ्लो नालियांः

स्थानीय निवासियों की माने तो जलभराव के पीछे मुख्य कारण मुख्य रास्तों के साथ बने नालों की सफाई न होना, नालियों की उचित व्यवस्था न होना, घरों से गंदे पानी की निकासी का प्रबंध न होना सहित सीवरेज व्यवस्था सही प्रकार से चालू न होना माना जा रहा है। जिन मुख्य रास्तों के साथ नालों का निर्माण किया गया है वे गंदगी से अवरुद्ध है तथा इनकी सफाई की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा। वहीं अनेक नालियां टूटी पड़ी है जिनका पानी निकास न होने के कारण ओवरफ्लो होकर मुख्य रास्तों पर बहता है। ऐसे में मानसून के दिनों में सफाई व जल निकासी व्यवस्था चरमराने के आसार है क्योंकि नपा द्वारा अभी तक जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए कोई भी संभावित कदम उठाना तो दूर रूपरेखा भी तैयार नहीं की है। नगर वासियों ने नगर पालिका व प्रशासन से मानसून आने से पहले नगर की सफाई व जल निकासी व्यवस्था कायम करने की मांग की है।

मारुति सुजुकी की मानेसर फैसिलिटी में भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इन-प्लांट रेलवे साइडिंग का संचालन शुरू

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

गुरुग्राम, 17 जून। माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मानेसर फैसिलिटी में भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इन-प्लांट रेलवे साइडिंग का उद्घाटन किया। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत पंजीकृत मानेसर रेलवे साइडिंग को हरियाणा राज्य में सोनीपत से पलवल के बीच 126 किलोमीटर लंबे हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर के हिस्से के रूप में तैयार किया गया है। इस परियोजना को संयुक्त उद्यम कंपनी हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित किया गया है।

इस अवसर पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, श्री हिसाशी ताकेउचि ने कहा, हम बहुत प्रसन्न हैं कि मारुति सुजुकी की मानेसर फैसिलिटी में आज भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इन-प्लांट रेलवे साइडिंग का उद्घाटन किया गया है। हम माननीय केंद्रीय रेल मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और भारत सरकार के ग्रीन लॉजिस्टिक्स अभियान को आगे बढ़ाने वाली निर्बाध मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बहुत आभारी हैं। प्रधानमंत्री के गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप, कंपनी की दूसरी इन-प्लांट रेलवे साइडिंग फैसिलिटी इसकी ग्रीन लॉजिस्टिक्स यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है। इस परियोजना में समय पर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए हम हरियाणा सरकार और माननीय मुख्यमंत्री के भी अत्यधिक आभारी हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह परियोजना 2070 तक भारत के नेट जीरो कार्बन एमिशंस के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह साइडिंग 175,000 टन सीड2ई उत्सर्जन को घटाने, पूरी क्षमता पर सालाना 60 मिलियन लीटर ईंधन बचाने और सड़को पर बढ़ते ट्रैफिक को कम करने में योगदान देगी। कार्बन उत्सर्जन को कम करना मारुति सुजुकी की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है और इसके लिए हमारा लक्ष्य वित्त वर्ष 2030-31 तक रेलवे के जरिये वाहन भेजने की हिस्सेदारी को 35प्रतिशत तक बढ़ाना है।

संयुक्त उद्यम के तहत, एमएसआईएल ने एचओआरसी के विकास में 3,250 मिलियन (325 करोड़) रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा, एमएसआईएल ने भीतरी यार्ड के विकास के लिए लगभग 1,270 मिलियन (127 करोड़) रुपये का निवेश भी किया है। कुल मिलाकर, इस परियोजना में एमएसआईएल का कुल निवेश लगभग 4,520 मिलियन (452 करोड़) रुपये है।

एमएसआईएल मानेसर फैसिलिटी के अंदर 46 एकड़ में फैली रेलवे साइडिंग में पूरी तरह से विद्युतीकृत कॉरिडोर है जिसमें रेक के लिए 4 पूरी लंबाई वाली ट्रैक और इंजन एस्केप के लिए 1 ट्रैक है। कुल मिलाकर ट्रैक की लंबाई 8.2 किलोमीटर है। साइडिंग में स्टेशन की दो मंजिला इमारत है, पटरियों के किनारे गार्ड और ड्राइवरों के लिए समर्पित मार्ग, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक ट्रेन इंटरलॉकिंग और बहुत कुछ शामिल है। एमएसआईएल की गुरुग्राम और मानेसर फैसिलिटी में निर्मित मॉडल इस रेलवे साइडिंग से 17 हबों में भेजे जाएंगे, जहां से इन्हें देश भर के 380 शहरों में भेजा जाएगा। कंपनी द्वारा निर्यात के लिए उपयोग किए जाने वाले मुंद्रा और पीपावाव बंदरगाहों में भी यहां से रेल के माध्यम से वाहन भेजे जाएंगे। रेलवे साइडिंग के पूरी क्षमता के साथ काम करने पर 450,000 वाहनों की डिस्पैच क्षमता होगी। वित्त वर्ष 2014-15 से एमएसआईएल ने रेलवे के माध्यम से संचयी रूप से 2.5 मिलियन (25 लाख) वाहन भेजे हैं। इसका ग्रीन लॉजिस्टिक्स प्रयास जलवायु संरक्षण के संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य संख्या 13 के अनुरूप हैं, जो स्वच्छ, हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य के लिए कंपनी के दृष्टिकोण को मजबूत करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में हुई वृद्धिः सांसद धर्मबीर सिंह

सिधनवा के बाबा सिद्धनाथ धाम में चौपाल कार्यक्रम में सांसद ने दी मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों की जानकारी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 17 जून। सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने मंगलवार को बाबा सिद्धनाथ धाम, सिधनवा में आयोजित किए गए विशेष चौपाल कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की तथा आमजन को केंद्र सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम से पूर्व सांसद धर्मबीर सिंह ने बाबा सिद्धनाथ धाम में बाबा के दर्शन व पूजा अर्चना कर शीश नवाया व समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण के लिए प्रार्थना की। सांसद धर्मबीर सिंह ने मोदी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में वृद्धि, आर्थिक मजबूती, डिजिटल भारत, सामाजिक सुरक्षा,

आधारभूत संरचना के विस्तार और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने गरीबों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के जीवन को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उन्होंने विकसित भारत 2047 के विजन की भी चर्चा की और बताया कि आने वाले वर्षों में यह संकल्प और भी तेज गति से साकार किया जाएगा। सभी ने केंद्र सरकार की जनहितैषी नीतियों की सराहना करते हुए इस जनजागरूकता कार्यक्रम को अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मुरारी लाल, महीपाल बडदु, राजकुमार बैराण, बिजेंद्र सरपंच, दयानंद बीडीसी, संदीप पूर्व सरपंच, जितेंद्र शर्मा, सुरेश बीडीसी, सुरजभान, विजय, उमेद, अजय हसान, रोहतास लांबा, राजेंद्र चैहड, उमेद मतानी, प्रदीप पिलानिया, सुभाष बिश्नोई, संदीप श्योराण, नरेंद्र ओबरा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी, एवं गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विभिन्न 24 सूत्रीय मांगों को लेकर पी.डब्ल्यू.डी. मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

-यूनियन नेताओं ने दी चेतावनी, मांगें पूरी नहीं हुई तो आंदोलन करने को मजबूर होगी यूनियन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 17 जून। हरियाणा गर्व. पी.डब्ल्यू.डी. मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन लोहारू, बहल व सिवानी ब्रांच ने मंगलवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विधायक राजबीर फरटिया को अपनी 24 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से यूनियन पदाधिकारियों ने विभिन्न लंबित मांगों को पूरा करवाने की मांग की। इस दौरान लोहारू ब्रांच के प्रधान दलबीर सिंह श्योराण ने बताया कि सरकार द्वारा उनकी मांगों की अनदेखी की जा रही है तथा उनकी मांगे ऐसी है जो उन्हें निरंतर प्रभावित कर रही है। मांगों की सुध न लिए जाने के कारण कर्मचारियों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विधायक से उनकी मांगों की पैरवी कर उनके समाधान की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि उनकी मांगों में एचकेआरएनएल के माध्यम से संविदा कर्मचारियों को समय पर और पूर्ण भुगतान सुनिश्चित करने, सभी पात्र कर्मचारियों का स्थायीकरण/नियमितीकरण करने, पुराने लंबित बकाया, वेतन में अंतर तथा अन्य वित्तीय लाभों का शीघ्र भुगतान करने तथा एमपीडब्ल्यू वर्कर 2006 वेतनमानों को उचित

रूप से लागू करने, वर्ष 2020-23 की एलटीसी राशि का त्वरित भुगतान करने के अलावा मई 2025 में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के वेतन से की गई 440 रुपये प्रतिमाह की अनुचित कटौती को तुरंत वापस लेने की मांग है। इसके अतिरिक्त कर्मचारियों से संबंधित अन्य सभी सेवा संबंधी और विभागीय मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान जल्द से जल्द किया जाए।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद भी उनकी मांगें पूरी नहीं की जा रही है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया और सरकार यूनियन के साथ सार्थक बैठक कर इन मुद्दों का समाधान नहीं करती है, तो कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए आंदोलन का रास्ता मजबूरन अपनाऐंगे। विधायक राजबीर फरटिया ने कर्मचारियों की मांगों को सरकार के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर सचिव आजाद सिंह मलोदिया, कोषाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिवानी ब्रांच सचिव भगवानदास शर्मा, कोषाध्यक्ष नितेश कुमार सहित सतवीर फौजी, रामविलास शर्मा, सुरेंद्र, जयवीर चेयरमैन, पूर्व प्रधान सतवीर श्योराण, सोमबीर पिलानिया व नरेंद्र नागल आदि उपस्थित रहे।

योगेश वर्मा बने सेना के लेफ्टिनेंट, 14वें प्रयास में हुए सफल

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 17 जून। गांव भंगू निवासी योगेश वर्मा ने अपने दृढ़ निश्चय से 14वें प्रयास में भारतीय सेना में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर अपना चयन करवाकर अभिभावकों के साथ-साथ गांव भंगू का भी नाम रोशन किया है। बेटे की सफलता पर परिवार के साथ-साथ गांव भंगू के ग्रामीण भी फूले नहीं समा रहे हैं। योगेश वर्मा ने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा डीएवी सेंटेनरी स्कूल में हुई। हिंदु कॉलेज ऑफ यूनिवर्सिटी दिल्ली से बीएससी केमिस्ट्री में ग्रेजुएट की। इसके बाद एमएससी ज्योग्राफी पोस्ट ग्रेजुएट जारी है। यही नहीं अपनी मेहनत से उन्होंने यूजीसी नेट की परीक्षा भी 98.1 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। योगेश वर्मा ने बताया कि उसका शुरू से ही सपना था कि वह आर्मी में जाए। वह पिछले 5 सालों से लगातार प्रयास कर रहा था। आर्मी में चयन के लिए वह इससे पूर्व 13 बार सीडीएस व एनडीए की परीक्षा दे चुका था। सीडीएस की लिखित परीक्षा वह हर बार उत्त्तीर्ण कर देता था, लेकिन एसएसबी में रह जाता था, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। एसएसबी की परीक्षा के लिए 19 से 24 साल आयु सीमा होती है और ये उसके लिए आखिरी अवसर था। 14वीं बार में 14वीं रेंक के साथ उसका सेना में बतौर लेफ्टिनेंट चयन हो गया।

सुसाइड मामले में आया नया मोड़, महिला ने प्रेमी को किया था फोन, दी थी धमकी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 17 जून। डबवाली में महिला हरप्रीत कौर द्वारा सुसाइड करने के मामले में नया मोड़ सामने आया है। घटना से पहले हरप्रीत कौर अपने प्रेमी हर्षप्रीत उर्फ भोलू को बार-बार फोन कर रही थी। जब उसने उसका फोन नहीं उठाया तो उसने पड़ोस की एक महिला के फोन से प्रेमी को मिलाया। आपसी बातचीत में उसने धमकी दी कि यदि उसका फोन नहीं उठाया तो वह मर जाएगी।

पुलिस के अनुसार, इसके बाद हर्षप्रीत ने महिला हरप्रीत का फोन उठा लिया और दोनों के बीच तीन बार ऑडियो मोड पर फोन से तीन बार बात हुई है। आखिर हरप्रीत ने प्रेमी हर्षप्रीत को वीडियो कॉल की, जिसमें उनकी अंतिम बार 37 सेकेंड तक बात हुई है। एक तरह से महिला हरप्रीत अपने प्रेमी हर्षप्रीत उर्फ भोलू पर रिलेशन बनाने के लिए दबाव बना रही थी। इसका खुलासा पकड़े गए आरोपी से पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में हुआ है। आरोपी हर्षप्रीत ने बताया कि उनके बीच काफी समय से अनैतिक संबंध चल रहे थे। अब वह उसे छोड?ा चाहता यानी साइडलाइन होना चाहता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला के पति का भतीजा है और उनके घर के पास ही उसका घर है। काफी समय से उनके बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था। महिला का पति पहले बाहर काम करता था और घर पर आना-जाना कम हो गया था। इस बीच उसका भतीजा हर्षप्रीत उनके घर आने-जाने लगा। इसके बाद उसके व महिला के बीच नजदीकियां बढ? लगी। इस बीच उनका प्रेम-प्रसंग चलना शुरू हो गया। यहीं नहीं आरोपी हर्षप्रीत एक बार पहले महिला को अपने साथ उसके घर से भगा ले गया था। उसके कुछ दिनों बाद वह दोनों राजस्थान से पकड़े गए थे, बाद में पंचायती तौर पर फैसला होने पर पति जगजीत ने उसे अपने पास रखने की सहमति दे दी थी। वहीं, डबवाली पुलिस ने पंजाब निवासी आरोपी के घरवालों से बात की तो उन्होंने बताया कि महिला ने खुद हर्षप्रीत के पास फोन किया था और वह उसे अपने पास आने और आत्महत्या करने की धमकी दे रही थी।

महिला से रुपयों से भरा बैग छीन ले गए बाइक सवार

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 17 जून। बैंक से 50 हजार रुपए की राशि लेकर घर जा रही महिला के हाथ से बाइक सवार बदमाश नगदी वाला थैला छीनकर ले गए।

पुलिस को दी शिकायत में सिरसा निवासी रेणु ने बताया कि वह बैंक से 50 हजार रुपए निकलवाकर पैदल सेठ नंदलाल वाली गली से शाम करीब 4 बजे घर जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आया बाइक सवार उसके हाथ से थैला छीनकर ले गया। थैले में नगदी के साथ-साथ बैंक की पासबुक भी थी। उसने काफी शोर भी मचाया, लेकिन जब तक आसपास के लोग आते, बाइक सवार भागने में कामयाब हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी दूरी तक युवक की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

युवती नकदी व आभूषण लेकर हुई लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 17 जून। चोपटा थाना क्षेत्र के गांव हंजीरा से एक युवती घर से 4 लाख रुपए की नकदी व आभूषण लेकर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में परिजनों ने बताया कि उनके पड़ोस में कुछ दिन पूर्व एक महिला पूजा किराए पर रहने के लिए आई थी। बीती 14 जून की सुबह उनकी बेटी पूजा के साथ चोपटा जाने का कहकर घर से गई थी, लेकिन उसके बाद से घर नहीं लौटी। जब उन्होंने घर में सामान संभाला तो अलमारी से 4 लाख रुपए की नकदी, डेढ़ तोले सोने व कुछ चांदी के आभूषण गायब थे। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

रेलवे पार्क के बाहर से बाइक चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 17 जून। स्थानीय रेलवे पार्क के बाहर से व्यक्ति का बाइक चोरी हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में गांव शाहपुर बेगू निवासी अभिमन्यु ने बताया कि बीती 14 जून की शाम को वह किसी काम से सिरसा आया था। रेलवे पार्क के पास उसने अपना बाइक खड़ी की और वह काम से चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

दो युवतियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 17 जून। जिला में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में पहले मामले में हिसार रोड स्थित बीज भंडार के पीछे रहने वाली युवती के परिजनों ने बताया कि बीती 14 जून की रात्रि को परिवार के लोग खाना खाकर सो गए। देर रात्रि को उनकी बेटी अचानक घर से लापता हो गई। सुबह उन्हें घटना के बारे में पता चला। दूसरे मामले में गांव झोरड?ही निवासी युवती के परिजनों ने बताया कि बीती 14 जून की दोपहर को उनकी बेटी अपनी नानी के साथ दवा लेने के लिए गई थी, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटी। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन युवतियों का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

एनीमिया व डायरिया मुक्त अभियान में सभी विभाग आपसी तालमेल से करें कार्यः एडीसी

अभियान के दौरान 73 हजार 241 बच्चों को आयरन की गोलियां व 96 हजार 460 बच्चों को ओआरएस जिंक का घोल पिलाने का रखा लक्ष्य

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 17 जून। एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल की अध्यक्षता में मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में स्वास्थ्य विभाग की एनीमिया व डायरिया मुक्त अभियान आदि से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिले में लगभग 73 हजार 241 बच्चों को आयरन की गोलियां खिलाई जाएंगी और 96 हजार 460 बच्चों को ओआरएस जिंक का घोल पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। एडीसी ने स्वास्थ्य विभाग, महिला व बाल विकास, शिक्षा आदि विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी तालमेल कर जिले को एनीमिया व डायरिया मुक्त करने में सहयोग करें। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि वे अभिभावकों का आह्वान करें कि स्कूल में बच्चों को खाना खिलाकर भेंजे। प्रत्येक बुधवार को आयरन की गोलियां खिलाई जाएंगी।

एडीसी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि वे जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों व सभी सरकारी व निजी विद्यालयों में एनीमिया व डायरिया मुक्त कार्यक्रम चलाया जाए। एनिमिया अभियान के तहत छह माह से 59 माह तक के बच्चों को आयरन सिरप, पांच से नौ वर्ष के बच्चों को गुलाबी रंग की टेबलेट और 10 से 19 वर्ष के किशोर-किशोरियों को नीली रंग की आयरन की टेबलेट खिलाई जाएगी। जिले में लगभग 73 हजार 241 बच्चों को आयरन की टेबलेट खिलाई जाएगी। इसके अलावा गर्भवती व धात्री महिलाओं तथा प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं को भी दवा दी जानी है। बैठक में एडीसी को नोडल अधिकारी डॉ. आशीष सांगवान ने पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि एनीमिया के कारणों, लक्षण, एनीमिया का बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रभाव आदि की विस्तार से जानकारी दी।

एडीसी ने डायरिया मुक्त अभियान बारे विस्तार से समीक्षा करते हुए बताया कि 16 जून से शुरू होकर 31 जुलाई तक यह अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत 0 से 5 साल के बच्चों को ओआरएस व जिंक का घोल पिलाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के सभी संस्थानों, आंगनबाड़ी केंद्रों पर ओआरएस घोल वितरित किया जाएगा। इस अभियान के तहत जिले में 96 हजार 460 बच्चों को ओआरएस का घोल पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान 31 जुलाई 2025 तक जिलेभर में चलाया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य डायरिया के कारण होने वाली शिशु मृत्यु दर को शून्य तक लाना है। अभियान के तहत पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में ओआरएस और जिंक के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा देखभाल करने वालों में डायरिया की रोकथाम और प्रबंधन को लेकर उचित व्यवहार विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। विशेष रूप से झुग्गी-झोपडि?ों तथा कमजोर समुदायों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

नोडल अधिकारी डॉ. सांगवान ने एडीसी को बताया कि अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर ओआरएस और जिंक का वितरण किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अन्य विभागों जैसे महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज, जल जीवन मिशन, ग्रामीण एवं शहरी विकास आदि के साथ मिलकर लोगों को डायरिया से बचाव बारे जागरूक करेंगे। स्कूलों, आंगनवाडि?ों और सामुदायिक बैठकों में हाथों की सफाई रखने बारे जानकारी दी जाएगी। इस दौरान सीएमओ डॉ. बलवान सिंह, डॉ. आशीष सांगवान, डॉ. दीपक, डॉ. सचिन, डॉ. सुनीता, जिला कार्यक्रम अधिकारी वैशाली, जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया, प्रिंसिपल राजेश अत्री सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कैथल जिले में रणदीप सिंह सुरजेवाला का जलवा बरकरार

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 17 जून। हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस चुनाव का कल परिणाम घोषित हुआ जिसमें कैथल जिले में रणदीप सिंह सुरजेवाला व आदित्य सुरजेवाला की तरफ से चुनाव में उतारे गए सभी उम्मीदवारो ने जीत दर्ज की। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष, जिला महासचिव, कैथल हल्काध्यक्ष, कलायत हल्काध्यक्ष, पुंडरी हल्काध्यक्ष और गुहला हल्काध्यक्ष के साथ साथ चारों विधानसभा के ब्लॉक अध्यक्ष के सभी कैंडिडेट विजयी हुए। जिलाध्यक्ष के पद पर रणदीप सिंह सुरजेवाला व आदित्य सुरजेवाला की तरफ से चुनाव में उतरे कविश मिड्ढा ने 2612 वोट और विरोधी उम्मीदवार करण सिंह ने 89 और अमन गुर्जर को सिर्फ 16 वोट प्राप्त हुए।

विजयी हुए सभी उम्मीदवारो ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला, कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला व सुदीप सुरजेवाला का आभार व्यक्त किया।

कैथल युवा कांग्रेस के विजयी उम्मीदवार में जिलाध्यक्ष पद पर कविश मिड्ढा, जिला महासचिव पद पर सरदार हरकीरत सिंह हाबड़ी, कैथल हल्काध्यक्ष पद पर अरुण राणा, कलायत हल्काध्यक्ष पद पर प्रवीण कसान, गुहला हल्काध्यक्ष पद पर नपिंद्र पुनिया, पुंडरी हल्काध्यक्ष पद पर जगमाल बरसाना चुनाव जीतकर आए।

इसके साथ ही कैथल, कलायत, पुंडरी और गुहला विधानसभा में भी ब्लॉक अध्यक्षों ने भी जीत दर्ज की। जिसमें कैथल विधानसभा के चारों ब्लॉक में क्योड़क ब्लॉक से अध्यक्ष पद पर विक्रम रुहल गुहणा, अर्बन 1 ब्लॉक से अध्यक्ष पद पर अमरजीत ओढ़, अर्बन 2 ब्लॉक से अध्यक्ष पद पर चिराग मित्तल और मुंदडी ब्लॉक अध्यक्ष पद पर रजनीश मेहला ने जीत दर्ज की। गुहला विधानसभा में भागल ब्लॉक से अध्यक्ष पद पर राजिंद्र मलिक, टटियाना ब्लॉक से अध्यक्ष पद पर हरजिंद्र हरनौली, भूना ब्लॉक से अध्यक्ष पद पर रविन्द्र राणा कसोर और सीवन ब्लॉक से अध्यक्ष पद पर गुरप्रीत गुर्जर डोहर ने जीत दर्ज की।

कलायत विधानसभा में मटोर ब्लॉक से अध्यक्ष पद पर साहिल मौण और खरक पांडवा ब्लॉक से अध्यक्ष पद पर राजेश कैंदल सिसला ने जीत दर्ज की।

पुंडरी विधानसभा में फतेहपुर ब्लॉक से अध्यक्ष पद पर कुशनपाल गुर्जर बरोट ने जीत दर्ज की।

विजयी हुए सभी जिला युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों को रणदीप सिंह सुरजेवाला, आदित्य सुरजेवाला व सुदीप सुरजेवाला ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए बूथ स्तर पर काम कर रहे हैं भाजपा के नेता और कार्यकर्ताः सुभाष सुधा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 17 जून। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा के नेता और कार्यकर्ता बूथ स्तर पर काम कर रहे हैं। यह कार्यकर्ता पार्टी की रीड की हड्डी हैं। इन्हीं कार्यकताओं के कारण सरकार की नीतियों का सीधा फायदा आमजन तक पहुंच रहा है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा मंगलवार को सेक्टर-8 भाजपा कार्यालय में जिला कार्यशाला में बोल रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा के जिलाध्यक्ष सरदार तिजेंद्र सिंह गोल्डी, पूर्व जिला अध्यक्ष सुशील राणा, पूर्व जिला अध्यक्ष राजकुमार सैनी, भाजपा वरिष्ठ दर्द नेता सुभाष कलसाना, भाजपा नेता रविंद्र सांगवान ने भारत माता की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश व प्रदेश में भाजपा ने जो कार्य किए हैं, पिछली सरकार के 60 वर्षों के कार्यकाल से ज्यादा हैं। भाजपा ने अंत्योदय की नीति पर काम करते हुए गरीब व कमजोर वर्ग को मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने में टिपल इंजन की सरकार तीन गुणा गति से काम कर रही है। प्रदेश में युवा वर्ग के लिए बिना खर्ची बिना पर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं, जबकि पहली सरकार में नौकरियों के नाम पर बोलियां लगाई जाती है और ऐसी स्थिति में योग्य पात्र नौकरी की लाइन से ही बाहर हो जाता था। भाजपा के जिला अध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी ने कहा कि भाजपा का संगठन विश्व का सबसे मजबूत संगठन है और कुरुक्षेत्र में संगठन को ओर मजबूत करने का काम किया जा रहा है।

भिवानी की नवनयुिक्त डीईओ निर्मला दहिया का हसला ने किया स्वागत

प्राध्यापकों की सभी समस्याओं का समय पर किया जाएगा निपटारा : निर्मल दहिया

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 17 जून। भिवानी की नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया का मंगलवार को हसला जिला भिवानी और स्टेट अवार्ड वेलफेयर एसोसिएशन भिवानी की तरफ से स्वागत किया गया। इस मौके पर हसला भिवानी के जिला प्रधान महेंद्र मान व स्टेट अवार्ड एसोसिएशन भिवानी के प्रधान श्याम सुंदर सांगवान ने पुष्पगुच्छ भेंट कर जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया का कार्यभार संभालने पर अभिनंदन किया और उन्होंने ने डीईओ को सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जिला भिवानी को शिक्षा के क्षेत्र मे अग्रणी बनाने मे हमारे संगठन की और से पूर्ण सहयोग मिलेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्राध्यापक साथियों की एसीपी, सीसीएल, मटेर्निटी अवकाश, आदि समस्याओं का निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। हसला प्रधान ने नवनियुक्त डीईओ भिवानी को पूर्ण विश्वास दिलाया कि जिला मे जितनी भी समस्याएं लंबित है, उन सब को हल करने मे हमारा संगठन कंधे से कंधा मिलाकर काम करने को तैयार है। इस मौके पर नवनियुक्त डीईओ ने हसला संगठन के सदस्यों को आश्वासन दिया कि प्राध्यापकों की सभी समस्याओं का निपटारा समय पर किया जाएगा।

बाल योगियों ने आसनों के जरिए दिया निरोगी काया का संदेश

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 17 जून। जिला प्रशासन व प्रधानमंत्री के आह्वान पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भिवानी के हनुमान ढाणी स्थित विवेकानंद हाई स्कूल के योग अभ्यास परिसर में सामाजिक संस्था सदाचारी शिक्षा समिति एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति के तत्वावधान में पांच दिवसीय योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शुभारंभ विद्यालय की निदेशक सावित्री यादव ने किया।

कार्यक्रम के पहले दिन भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित अशोक कुमार भारद्वाज ने ब्लैक बोर्ड (श्यामपट्ट) पर योग से संबंधित संदेशात्मक स्लोगन व रेखाचित्र बनाकर योग का महत्व दशार्या। उनका उद्देश्य विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें नियमित योग की प्रेरणा देना है। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम गर्मियों की छुट्टियों में घर पर रह रहे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया है, ताकि वे भी योगाभ्यास से जुड़कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने श्यामपट्ट पर लिखे स्लोगन को दोहराते हुए सामूहिक योग अभ्यास किया। उन्होंने चक्रासन, अर्ध चक्रासन, गरुड़ासन, मयूरासन सहित अनेक योगासन किए और इनसे होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानकारी दी। योग प्रशिक्षकों ने बच्चों को सही तरीके से आसन करने के गुर सिखाए और उनके महत्व को बताया।

विद्यालय निदेशक सावित्री यादव एवं कार्यक्रम संयोजक अशोक भारद्वाज ने संयुक्त रूप से कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह एक जीवनशैली को अपनाने का संदेश है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा है तो वह जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है। वहीं, खराब स्वास्थ्य जीवन में बाधा बनता है। उन्होंने सभी से प्रतिदिन योग करने और निरोगी जीवन जीने का संकल्प लेने की अपील की।

डीएमसी ने अपने जन्मदिन पर पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 17 जून। डीएमसी गुलजार मलिक ने अपने जन्मदिन के अवसर पर नगर परिषद भिवानी कार्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पर्यावरण संरक्षण हमारे सामने बहुत बड़ी चुनौती है। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होना होगा। श्री मलिक ने कहा कि वर्तमान में पेड़ पौधे घटते जा रहे हैं। आज भौतिक जरूरत को पूरा करने के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। वहीं दूसरी तरफ औद्योगीकरण के चलते पर्यावरण में धुएं का आवरण बन रहा है। इससे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है, जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ हवा की जरूरत है। पेड़ पौधों से ही शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है उन्होंने कहा कि हमें अपने पूर्वजों की याद में तथा अपने तथा बच्चों के जन्म दिवस के अवसर पर जरूर करना चाहिए।

इस अवसर पर कार्यकारी अधिकारी राजा राम, कार्यकारी अभियंता जसवंत सिंह, पालिका अभियंता सुरेंद्र सांगवान, समाजसेवी रमेश सैनी समाजसेवी, पर्यावरण प्रहरी विजय सिंहमार, आबिद जेई इत्यादि मौजूद रहे।

बाल भवन में समर कैंप में आयोजित हो रही अनेक गतिविधियां

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 17 जून। उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष महावीर कौशिक के मार्गदर्शन में स्थानीय बाल भवन में समर कैंप में आयोजित कर अनेक गतिविधियां चलाई जा रही हैं। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बच्चों के लिए डांस, ताइक्वांडो, मेहंदी, सिलाई, ब्यूटीशियन, योगा, ड्राइंग, पेंटिंग, म्यूजिक और इंग्लिश स्पीकिंग की निःशुल्क रूचिकर कक्षाएं आयोजित की जा रही है। इन रुचिकर कक्षाओं में बच्चों को बहुत कुछ सिखने को मिल रहा है।

समर कैंप के बारे में जिला बाल कल्याण अधिकारी ओम प्रकाश ने बताया कि जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समर कैंप 2025 का आयोजन किया जा रहा है। समर कैंप ग्रीष्मकालीन अवकाश की छुट्टियां 30 जून तक चलेंगी। बच्चे बड़े उत्साह से इन रुचिकर कक्षाओं में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया की बच्चों के मानसिक शारीरिक और बौद्धिक विकास के लिए जिला बाल कल्याण परिषद हर वर्ष गर्मी की छुट्टियां में रुचिकर कक्षाओं का आयोजन करता है। समर कैंप सुबह 9.00 से लेकर 11.00 तक चलाया जा रहा है। कैंप विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ नई-नई चीजें सीखने को मिल रही है। उन्होंने अभिभावकों का आह्वान किया है कि वे इस समर कैंप में अधिक से अधिक अपने बच्चों को भेजे ताकि वे भी कुछ नया सीख सकें।

चंडीगढ़ में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उत्सव की तैयारियाँ जारी

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 17 जून। आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, जो 21 जून 2025 को मनाया जाएगा, की तैयारियों की समीक्षा करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए आज यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री राजीव वर्मा की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।

संपादक की कलम से

इजराइल दुनिया को एक बड़े युद्ध में झोंकने की तैयारी में!

समय आ गया है बदलाव का। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, इराक, कुवैत, कतर सब तेल के पैसों से बहुत अमीर देश हैं। मगर इजराइल की गुंडागर्दी का मुकाबला नहीं कर पाते। दुनिया के सारे आविष्कार, पैसा, अमेरिका, पश्चिमी देशों और इजराइल के पास। और इसी दम पर यह सब मिलकर 57 इस्लामिक मुल्कों को कुछ नहीं समझते।

विज्ञान और तकनीक में प्रगति इंसान की बेहतरी के लिए। मगर आज लग रहा है कि वह विनाश के लिए है। पूरी मानवता के विनाश के लिए। कुछ देशों ने उसका ऐसा ही विकास किया है।

एक समय था जब स्कूल में फिर कालेज में भी वाद-विवाद में यह विषय जरूर होता था कि विज्ञान वरदान या अभिशाप! वह समय नेहरू के साइंटिफिक टेंपर (वैज्ञानिक मिजाज) के बाद का था और देश में ही नहीं विदेशों में भी विज्ञान इंसान की जिन्दगी को आसान और खुशहाल बना रहा था।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया शांति की तलाश में थी और विज्ञान के जरिए उस शांति में सुख समृद्धि लाना चाहती थी। उसी दौर में हिटलर के अत्याचारों से एक पूरी कौम के नष्ट हो जाने की आशंका को देखते हुए दुनिया ने यहूदियों को जर्मनी से निकालकर अरब देशों के बीच एक सुरक्षित ठिकाना दिया। इजराइल नाम का एक नया देश बना। लेकिन जो पीड़ित था वह बाद में खुद दूसरों के लिए इतनी बड़ी समस्या बन जाएगा कि एक और बड़े युद्ध की आशंका दुनिया को डराने लगेगी यह किसी ने नहीं सोचा था।

पहले गजा में नरसंहार। दो साल होने जा रहे हैं। करीब 60 हजार फिलीस्तिनियों को इजराइल ने मारा। जिनमें बड़ी तादाद में बच्चे शामिल हैं। यूनिसेफ जो संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है बच्चों के लिए काम करने वाली, उसके आंकड़ों के मुताबिक जख्मी और मारे गए बच्चों की तादाद 50 हजार के करीब है। इजराइल ने गजा पहुंचने वाली सारी रसद दूध, दवाइयां बंद कर रखी है जिसकी वजह से मौत की संख्या रोज बढ़ रही है।

एक छोटा सा देश इजराइल जो चारों तरफ से अरब देशों से घिरा हुआ है किस तरह इतना अत्याचार कर पा रहा है। एक अमेरिका के समर्थन तो है मगर जिस तरह उसने नए-नए हथियार बना लिए हैं, सुरक्षा सिस्टम जिसे आयरन डोम कहा जाता है उससे वह खुद को अजेय और पूरी तरह सुरक्षित समझ रहा है।

इसी भ्रम में उसने ईरान पर हमला बोल दिया। लेकिन ईरान के जवाबी हमले ने उसके आयरन डोम से सुरक्षा की खुशफहमी को तोड़ दिया। मीडिया सारा पश्चिमी है। वह मुख्यतः इजराइल का साथ दे रहा है। इजराइल के हमले से ईरान को कितना नुकसान हुआ यह तो बढ़ा चढ़ाकर बता रहा है। मगर ईरान ने उसका कितना नुकसान किया इस पर कहता है कि ईरान के दावे हैं मगर इजराइल खंडन करता है।

यह मीडिया रुस-युक्रेन युद्ध में युक्रेन को उकसा रहा था। भारत से भी सारे न्यूज चैनलों को युक्रेन ले जाया गया था। यह पश्चिमी मीडिया अमेरिका के हितों को देखकर काम करता है। हमारे यहां भी लोग इसके प्रभाव में आ जाते हैं।

मगर भारत-पाक के बीच अभी हुए सीमित युद्ध में हम लोगों को इस पश्चिमी मीडिया ने झटका दिया। चूंकि अमेरिका पाकिस्तान के साथ खड़ा था तो उसका मीडिया भी पाकिस्तान के पक्ष में प्रचार कर रहा था।

हमें अपनी विदेश नीति देश हित के अनुरूप रखना चाहिए। मगर मोदी जी द्वारा इसे अपनी व्यक्तिगत छवि बनाने के लिए उपयोग करने से दुनिया में हम अकेले पड़ गए। सच को सच कहने के साहस की वजह से विश्व में हमारा सम्मान था। मगर अब हम बचने लगे। अभी संयुक्त राष्ट्र महासभा में गजा में संघर्ष विराम के लिए हुई वोटिंग से हम दूर हट गए। मतलब हमने संघर्ष विराम के पक्ष में वोटिंग नहीं की। संदेश गया कि भारत शांति नहीं चाहता। 193 सदस्यीय महासभा में युद्ध विराम के पक्ष में 149 वोट पड़े। विरोध में केवल 12 और 19 देश जिनमें भारत भी था ढुलमुल। भारत ऐसा कभी नहीं था। वह तो इनमें से 120 देशों का नेतृत्व करता था। गुटनिरपेक्ष आंदोलन। नेहरू इसके नेता थे।

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने बहुत तगड़ा हमला किया। पूछा कि क्या आज युद्ध और नरसंहार के खिलाफ भी खड़े होने की मोदी सरकार में हिम्मत नहीं है? कांग्रेस ने कहा यह शर्मनाक है। भारत हमेशा शांति न्याय और मानवीय गरिमा के पक्ष में खड़ा रहा है।

मोदीजी भूल रहे हैं कि पिछले दिनों बिहार चुनाव के समय उन्होंने जिन दिनकर को याद किया था। उन्होंने लिखा था कि 'जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनके भी अपराध!' और उनके ही गुजरात सूरत के शायर वसीम मलिक ने इसे और आगे बढ़ाते हुए कहा है कि - -

'इसलिए जिन्दा हूं कि मैं बोल रहा हूं
दुनिया किसी गूंगे की कहानी नहीं लिखती!'

खैर मोदी जी को कौन समझा सकता है। अचानक सीज फायर पर तो भाजपा और संघ भी उन्हें नहीं समझा पाए। अब तो वक्त ही उन्हें समझाएगा। मगर बात हम कुछ दूसरी कर रहे थे। लेकिन आजकल आप बात कोई करो मोदी जी ने इतना निराश कर दिया है कि बात उन तक आ ही जाती है।

गर्मियों में बहुत ज्यादा पानी पीना वाटर इंटॉक्सिकेशन का बन सकता है कारण, कितना पीना चाहिए

गर्मी बढ़ती जा रही है. गर्मी में पसीना ज्यादा आता है तो प्यास भी ज्यादा लगती है. लोगों को डिहाइड्रेशन का भी डर लगा रहता है. इस डर के कारण कई बार जरूरत से ज्यादा पानी पीने लगते हैं. कम पानी पीने से डिहाइड्रेशन होता है तो जरूरत से ज्यादा पानी पीने से भी गंभीर बीमारी हो सकती है. ज्यादा पानी पीने से लिवर, किडनी पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है. यहां तक शरीर पर सूजन भी आ सकती है. बहुत ज्यादा पानी पीने से क्या बीमारी हो सकती है, इस बारे में हमने बात की सीनियर पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट से.

गर्मी में शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने के लिए ज्यादा पसीना आता है, जिसके कारण शरीर को ज्यादा पानी की जरूरत होती है. हालांकि लोग केवल सादा पानी ही पीते हैं. कई बार तो तेज प्यास लगने पर लोग पेट भर कर पानी पी लेते हैं. जिससे पाचन संबंधी समस्या हो जाती है. यदि लगातार जरूरत से ज्यादा पानी पिया जाए तो वाटर इंटॉक्सिकेशन की भी समस्या हो सकती है. यह तब होता है जब शरीर में बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है. शरीर में ज्यादा पानी जमा होने से सोडियम का स्तर बहुत कम हो जाता है. जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं.

वाटर इंटॉक्सिकेशन के लक्षण क्या होते हैं

सीनियर पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट और गाजियाबाद के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता बताते हैं कि गर्मी में तेज प्यास लगने पर धीरे-धीरे और सीमित मात्रा में ही पानी पीना चाहिए. यदि पानी की जगह शिकंजी या ओआरएस पिया जाए तो बेहतर होता है. सादा पानी पीने से तुरंत प्यास नहीं बुझती, जिसके कारण व्यक्ति जरूरत से ज्यादा पानी पी लेता है. इसके कारण वाटर इंटॉक्सिकेशन हो जाता है. यह होने पर कुछ लक्षण उभरते हैं. इनमें मतली, उल्टी, सिरदर्द, भ्रम, मांसपेशियों में कमजोरी और गंभीर मामलों में दौरे या कोमा.भी हो सकता है.

गर्मियों में कितना पानी पीना चाहिए

डॉ.गुप्ता बताते हैं कि गर्मियों में ज्यादा पसीना आने के कारण शरीर में पानी की खपत बढ़ जाती है. जिसके कारण ज्यादा प्यास लगती है. इसके लिए थोड़ी थोड़ी देर में आधा से एक गिलास पानी पीते रहना चाहिए. प्रयास करें कि बार-बार केवल पानी ही न पिएं बल्कि घरेलू ड्रिंक का भी प्रयोग करें. प्रत्येक व्यक्ति की पानी की आवश्यकता अलग-अलग होती है. जो मौसम, गतिविधि स्तर और स्वास्थ्य की स्थिति पर निर्भर करती है।

सरकार की लापरवाही से यात्राओं में जोखिम

देश में यात्रा करना कितना जोखिम भरा हो चुका है, इसका एक दर्दनाक उदाहरण अहमदाबाद में 12 जून को हुआ विमान हादसा है। जिसमें विमान सवार यात्रियों में एक को छोड़ बाकी सभी 241 लोगों की जान चली गई और जिस बी जे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर विमान गिरा, वहां और आसपास की सड़कों पर मौजूद कई लोग इसमें मारे गए। कम से कम 279 लोगों की मौत बताई जा रही है, हालांकि आंकड़ा और बढ़ सकता है। मृतकों की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण का सहारा लिया जा रहा है।

फिलहाल विमान का ब्लैक बॉक्स मिल गया है तो हादसे के सही कारण की पड़ताल हो रही है। इस बीच सरकार ने एक जांच समिति गठित की है। लेकिन इस समिति के जो भी निष्कर्ष सामने आएंगे, क्या उनसे भविष्य के लिए कोई सबक लिया जाएगा, यह विचारणीय है। क्योंकि उत्तराखंड में रविवार सुबह एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट समेत सवार सभी 7 लोगों की मौत हो गई। जब से चारधाम यात्रा शुरू हुई है, उत्तराखंड में इस तरह के कम से कम पांच हादसे हो चुके हैं। 8 मई को हुए ऐसे ही एक हादसे में 6 लोगों की जान गई थी। ये भी सरकार की लापरवाही का नतीजा है कि उड़ान के नियमों का सख्ती से पालन नहीं किया जाता। इधर 9 जून को मुंबई में लोकल ट्रेन में भीड़ अधिक होने से कम से कम पांच लोग पटरी पर गिरकर मर गए। सड़क दुर्घटनाओं का तो कोई ओर-छोर ही नहीं है। हर दिन बड़ी संख्या में लोग या तो मारे जाते हैं या फिर बुरी तरह घायल होते हैं। जो पैदल चलते हैं, सड़कें उनके लिए भी सुरक्षित नहीं हैं।

इन दुर्घटनाओं पर रोक लगाने की जगह सरकार की पूरी दिलचस्पी फोटो खिंचाने और बड़े-बड़े दावे करने में दिखाई देती है। अहमदाबाद हादसे के अगले दिन ही प्रधानमंत्री मोदी की कई तस्वीरें आई हैं, एक तस्वीर में ऊपर विमान का हिस्सा लटका हुआ है, श्री मोदी सिर उठाकर उसे देख रहे हैं और ये तस्वीर से नीचे से ऊपर खींची गई है, यानी इसके लिए फोटोग्राफर को लगभग लेट कर फोटो खींचनी पड़ी होगी। इसे देखकर लगा कि प्रधानमंत्री के लिए हर हाल में अलग-अलग एंगल से फोटो खिंचवाना कितना जरूरी है। वे चाहे गुफा में ध्यान लगाएं, विवेकानंद मेमोरियल में मौन चिंतन करें, केदारनाथ के दर्शन के लिए चढ़े या विमान हादसे का मुआयना करें, तस्वीरों में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। और जहां तक दुर्घटनाओं का सवाल है तो गृहमंत्री अमित शाह कह ही चुके हैं कि दुर्घटनाओं को रोका नहीं जा सकता। लेकिन क्या गृहमंत्री ब्रिटेन को भी ऐसा ही बोल सकते हैं, क्योंकि वह भी अपने नागरिकों की मौत की जांच करना चाहता है।

ब्रिटेन तो सवाल करेगा कि जब दुर्घटनाओं पर आपका बस नहीं है तो फिर उड़ान के नियम, कानून, सुरक्षा मानक, आपदा प्रबंधन ये सब क्या दिखावे के लिए भारत में बने हैं। जब आपको कोई जिम्मेदारी लेनी ही नहीं है तो फिर मंत्रालय का गठन भी क्यों किया गया है, क्या केवल इसलिए कि मंत्रालय बताए कि सरकारी उड़ान सेवाओं में घाटा है और इस तरह सभी चीजों का निजीकरण कर दिया जाए। लगभग सारे विमानतल और बंदरगाह अडानी समूह के हवाले हो ही चुके हैं, जो थोड़ी बहुत सरकारी संपत्ति और प्रतिष्ठान बचे हैं, उन्हें भी अपने लोगों में बांटने का सिलसिला चल ही रहा है। अभी दिल्ली के चिड़ियाघर तक को अंबानी के हवाले करने की योजना बना ली गई है। पहाड़, खदानें, जंगल, तालाब, रेल, हवाई क्षेत्र, समुद्री इलाके सब व्यापारियों के हवाले कर दिया जाए तो फिर सरकार क्या केवल तस्वीर खिंचाने के लिए बनाई गई है, यह सवाल अब देशवासियों को उठाना होगा।

विपक्ष तो काफी अरसे से इन सवालों को उठा रहा है। लेकिन हर बार देश दुख में है, जैसे बहाने से सरकार सवालों को टालती है। इधर अनाप-शनाप खबरों को ट्रेंड करवा कर जनता का ध्यान भटकाया जा रहा है। इस हादसे में एक व्यक्ति रमेश विश्वासकुमार की जान बची, तो इस पर बेतुके सवाल होने लगे कि जब प्लेन गिर रहा था तो वे बाहर कैसे कूदे। इसी तरह आर्यन असारी नाम के छात्र ने विमान का गिरते हुए वीडियो बनाया तो उसे भी पुलिस पूछताछ के लिए ले गई, जबकि वह अपने गांव से पढ़ने आया था और हवाई जहाजों के वीडियो बनाकर अपने दोस्तों को दिखाना चाहता था। इस हादसे पर बाबा रामदेव ने कहा कि मुझे पता चला है कि विमान के रखरखाव और सेवा का काम तुर्की की एक एजेंसी करती थी। इस बेकार के इल्जाम पर अब तुर्की की कंपनी ने स्पष्टीकरण जारी किया है कि टर्किश टेक्निक ने कभी भी एअर इंडिया बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर का रखरखाव नहीं किया। टर्किश टेक्निक का एअर इंडिया के साथ रखरखाव समझौता है, लेकिन यह बोइंग 777 वाइड-बॉडी विमान तक ही सीमित है और बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को कवर नहीं करता है।

रामदेव के एक बेतुके आरोप ने भारत की जबरन किरकिरी करा दी। बहुत से लोग इस हादसे में कांग्रेस को दोषी ठहरा रहे हैं कि ये विमान कांग्रेस सरकार के वक्त खरीदा गया था और तब ऐसे कई घोटाले हुए थे। अगर ऐसा है तो भी 11 सालों में मोदी सरकार ने ऐसे घोटालों और पुराने विमानों की जांच क्यों नहीं की। उधर हिंदुत्व का खेल भी शुरू हो गया है कि इस हादसे में एक भगवतगीता बच गई। आज तक की पत्रकार श्वेता सिंह तो बाकायदा उसे प्रणाम करते दिखीं। अच्छी बात है कि एक किताब नहीं जली, लेकिन क्या ये सूचना उन दुखद कहानियों से बढ़कर है जो कम से कम दो सौ परिवारों का सच बन चुकी है।

शायद गंभीर हादसों पर हमारा लापरवाह रवैया दुखद कहानियों में नए पन्ने जोड़ता जा रहा है। बहरहाल अब देखना है कि मोदी सरकार इस हादसे को लेकर कोई बड़ा फैसला करती है या नहीं, ये बात भाजपा याद रखे कि इसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी जान गई है।

मुंबई को लेकर मदारियों का खेल!

संजय राऊत

शासक कोई भी हों, आम लोग कीड़े-मकोड़ों की तरह मर ही रहे हैं और राजनेता केवल आंसू बहाने का ढोंग करते हैं। मुंबई में चलती लोकल ट्रेन से १३ यात्री गिर गए। उनमें से चार की मौत हो गई। राजनेताओं ने झूठे आंसू बहाए और फिर से राजनीति में मशगूल हो गए। कश्मीर घाटी के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में २६ मां-बहनों के माथे का सिंदूर मिटा दिया गया। बेंगलुरु में एक क्रिकेट टीम की जीत का जश्न मनाने के लिए हजारों लोग जमा हुए थे। उस भीड़ में ऐसी भगदड़ मची कि ११ लोगों की जान चली गई। मणिपुर में पुनः हिंसा भड़क उठी और लोग फिर से उसकी बलि चढ़ रहे हैं। ११ साल से सत्ता में काबिज मोदी इस भयावह तस्वीर से जरा भी विचलित नहीं हो रहे हैं। वे निर्विकार चेहरा लिए सत्ता के सिंहासन पर विराजमान हैं। सिर्फ कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में ही नहीं, बल्कि बेंगलुरु, मुंबई, मणिपुर में हुई घटनाओं में मौतें हुईं और वहां भी किसी का सिंदूर मिटा दिया गया, लेकिन सरकार को उससे क्या! सरकार राजनीति और उससे पैसा जुटाने में मशगूल है। मुंबई से लेकर झारखंड, छत्तीसगढ़ के जंगलों तक, सरकार के लोग ठेकेदारों और उद्योगपतियों से पैसा वसूल रहे हैं।

संवेदना नहीं बची

सरकार में अब कोई भी संवेदना नहीं बची है। सरकार एक निर्दयी और अप्रभावी संस्था होती है। अब मुंबई महानगरपालिका की लड़ाई शुरू हो गई है। चार साल से मुंबई महानगरपालिका पर जनप्रतिनिधियों का शासन नहीं है। वहां मुख्यमंत्री को ॒रिपोर्ट॑ करनेवाला प्रशासक है। इस दौरान ३४ हजार करोड़ रुपए कमीशनबाजी के जरिए संबंधितों की निजी तिजोरी में गए। इसमें से कितना हिस्सा फडणवीस को और कितना शिंदे को मिला, वो आंकड़ा समझ में आ गया तो जनता शासकों के कारनामों पर फूल बरसाने के लिए स्वतंत्र हो जाएगी। मुंबई से ३४ हजार करोड़ से ज्यादा की कमाई की। महाराष्ट्र में २९ महानगरपालिकाओं के चुनाव नहीं हुए। ऐसे में कौन सी महानगरपालिका कितने करोड़ में लूटी गई, यह समझना दिलचस्प है। इस देश में जो काला धन निर्माण होता है, उसका मुख्य केंद्र मुंबई है। देश में हर घंटे पौने दो सौ करोड़ रुपए का कालाधन पैदा होता है। ऐसा पूरे ३६५ दिन होता है। इसमें मुंबई का हिस्सा सबसे ज्यादा है। अब तो भाजपा ने गौतम अडानी की बारात ही मुंबई में ला दी और उनको तोहफे में पूरी मुंबई दे दी है। अडानी अपनी लूट का हिस्सा इन राजनेताओं को देंगे। इसलिए सभी खुश हैं। महाराष्ट्र के मंत्री इस पैसे की पूजा करने के लिए गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर जाएंगे। यह देखकर लगता है ॾ भारत की, खासकर महाराष्ट्र की राजनीति अब मतदाताओं पर निर्भर नहीं रही। वो अब सरकार के चहेते उद्योगपति, ज्योतिषी, तंत्र-मंत्र विद्या का इस्तेमाल करने वाले तय करते हैं। महाराष्ट्र में एक-दूसरे के खिलाफ तंत्र-मंत्र का इस्तेमाल किया जाता है, जो उस समय राघोबादादा ने किया था। बड़े माधवराव पेशवा की मौत हो जाए इसके लिए राघोबा ने अघोरी उपाय किए, तो आनंदीबाई जप करती बैठी रहीं।

हर जगह लूट

प्रशासक के कार्यकाल में मुंबई महानगरपालिका में लूट हुई। धारावी विकास के नाम पर गौतम अडानी को फडणवीस ने मुंबई के कई महत्वपूर्ण भूखंड दे दिए। धारावी का भूखंड माहिम, माटुंगा, दादर के करीब है। इसके अलावा कुर्ला डेयरी, दहिसर टोल नाका, मुलुंड डंपिंग ग्राउंड, मिठागर जैसी जमीनों का लाभ भी धारावी विकास के नाम पर अडानी को दिया जा रहा है। यह महाराष्ट्र की लूट है और यह खुलेआम चल रही है। इन सभी लेन-देन में भाजपा, फडणवीस, शिंदे, अमित शाह को कितना लाभ मिलेगा? यह सीधे तौर पर रिश्वतखोरी है। आज महाराष्ट्र के औद्योगिक और गृहनिर्माण क्षेत्रों और विभागों में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार चल रहा है। झोपड़पट्टी पुनर्विकास की एक भी फाइल बिना पैसे दिए आगे नहीं बढ़ती। मंत्रालय से लेकर एसआरए तक यही हो रहा है। गरीबों के घरों के लिए शुरू की गई योजनाएं बिल्डरों और भ्रष्ट अधिकारियों के हाथों में चली गईं। इसलिए मराठी माणुस मुंबई से बाहर हो गया। इसका दुःख सभी को होना चाहिए। मुंबई महानगरपालिका चुनाव के परिप्रेक्ष्य में गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री फडणवीस और राज ठाकरे बांद्रा के ॒ताज॑ होटल में मिले। दोनों ने मराठी लोगों के भविष्य पर चर्चा की होगी, लेकिन यह एकतरफा रही होगी। श्री. फडणवीस मुंबई से मराठी माणुस को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे गौतम अडानी के खुले समर्थक हैं। फडणवीस के काल में मुंबई की सारी जमीन अडानी को दे दी गई। क्या यह मुंबई को भिखारी बनाकर सारा माल गुजरात ले जाने की साजिश है? उम्मीद है कि फडणवीस से मुलाकात के दौरान राज ठाकरे ने यह सवाल पूछा होगा। फडणवीस वही करेंगे जो मोदी और शाह चाहेंगे और अमित शाह मुंबई को एक व्यवसाय के रूप में देखते हैं

स्टार्टअप्स' के लिए जरूरी है, समझ की तब्दीली

- अरविंद सरदाना

टेक्नालॉजी में शोध की नींव कमजोर है तो स्टार्टअप हवा से प्रकट नहीं होंगे। शोध में निवेश करना सरकार का काम है। कई दशकों से चीन इस दिशा में बड़ी मात्र में निवेश कर रहा है। वर्तमान उदाहरण ही लें तो इस समय चीन का रिसर्च और डेवलपमेंट का बजट 715 अरब डॉलर है जो भारत से दस गुना अधिक और कई सुनियोजित प्लानिंग के साथ किया गया है।

हाल ही में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक मीटिंग में भारत के स्टार्टअप्स को फटकार लगाते हुए कहा कि भारत के स्टार्टअप दुकानदारी-नुमा नवाचार कर रहे हैं। मेहनती हैं, किन्तु केवल बाजार व्यवस्था में खरीदने-बेचने के नए तरीके के ही प्रयोग कर रहे हैं। इसकी तुलना में चीन में अधिकांश स्टार्टअप तकनीकी क्षेत्र में प्रयोग करते हुए प्रगति की राह पर चल रहे हैं। मंत्री जी का यह कथन सही है, लेकिन क्या इसमें स्टार्टअप का दोष है या सरकारी नीतियों की कमी और उनकी दूरदृष्टि का अभाव?

भारत में किसी भी स्टार्टअप के मूल में दो बातें देखी जाती हैं ॾ एक, नवाचार और दूसरी, बाजार में सफलता! नवाचार की दृष्टि से यह परखा जाता है कि उस विचार में कितना दम है, क्या यह प्रयोग करने योग्य है? साथ-ही-साथ यह प्रश्न भी पूछा जाता है कि क्या यह बाजार में चल पायेगा?

हम यह भूल रहे हैं कि बाजार का आकलन बहुत दूरदृष्टि का नहीं हो सकता। एक विचार जो पुख्ता है, लेकिन उसके बाजार में टिकने की सम्भावना नहीं है, ऐसे स्टार्टअप को वित्तीय मदद कौन करेगा? टेक्नालॉजी में अधिकांश नए विचार शोध के क्षेत्र में होते हैं जो विश्वविद्यालयों या विशेष शोध-संस्थानों में किए जाते हैं। इनमें से कई विचारों को बाजार में उतरने में कई बरस या दशक लग जाते हैं तब जाकर स्टार्टअप की कल्पना की जा सकती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान एवं टेक्नालॉजी में शोध करने वाले कई असफलताओं से गुजरकर ज्ञान के भंडार को पुख्ता करते हैं।

यदि टेक्नालॉजी में शोध की नींव कमजोर है तो स्टार्टअप हवा से प्रकट नहीं होंगे। शोध में निवेश करना सरकार का काम है। कई दशकों से चीन इस दिशा में बड़ी मात्र में निवेश कर रहा है। वर्तमान उदाहरण ही लें तो इस समय चीन का रिसर्च और डेवलपमेंट का बजट 715 अरब डॉलर है जो भारत से दस गुना अधिक और कई सुनियोजित प्लानिंग के साथ किया गया है।

हमारे एक विज्ञान के साथी ने एक घटना सुनाई जो इस बात को दशार्ती है। दो दशक पहले जब वे जर्मनी के एक लैब में अपना पोस्ट-डॉक्टरेट काम कर रहे थे तो उनके जैसे कई स्टूडेंट चीन से थे, पर खास बात यह थी कि चीन के छात्रों के साथ उनकी मदद करने वाले एक सीनियर वैज्ञानिक भी थे जो इस बात का भी आकलन कर रहे थे कि हम यह लैब चीन में कैसे बना सकते हैं।

युवा कांग्रेस के जिला प्रधान बने कुलदीप ढिल्लो

विधायक अशोक अरोड़ा ने नव निर्वाचित जिला प्रधान कुलदीप ढिल्लो हथीरा तथा उनकी टीम को दी शुभकामनाएं

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 17 जून। थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा ने युवा कांग्रेस के नव निर्वाचित जिला प्रधान कुलदीप ढिल्लो तथा उनकी टीम में शामिल नव निर्वाचित ब्लॉक प्रधानों को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि यह सभी पदाधिकारी युवा शक्ति को कांग्रेस पार्टी से जोड़ कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाएंगे। अरोड़ा ने कहा कि जो भी युवा कांग्रेस के पदाधिकारी निर्वाचित हुए हैं, वह सभी पार्टी के निष्ठावान सिपाही है और संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार कार्यरत रहते है। अरोड़ा ने सभी नव निर्वाचित प्रधानों को मिठाई खिला कर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। हल्का थानेसर के प्रधान कुलदीप सैनी सुंदरपुर, सेक्टर- 5 निवासी नवनीत नरवाल प्रधान युवा कांग्रेस ब्लॉक मिजार्पुर, अंकुश गर्ग युवा कांग्रेस प्रधान ब्लॉक थानेसर, देवेंद्र बगथला युवा कांग्रेस

प्रधान ब्लॉक ज्योतिसर, अंकित बिल्लू निवासी गांव कंवारखेड़ी युवा कांग्रेस प्रधान ब्लॉक अमीन ने अपने समर्थकों के साथ विधायक अशोक अरोड़ा से मिल कर आशीर्वाद लिया और कहा कि वह सभी विधायक अरोड़ा के मार्गदर्शन में पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। कुलदीप ढिल्लो हथीरा ने जानकारी देते हुए बताया कि युवा कांग्रेस के जिला प्रधान के लिए मतदान फरवरी माह में हुआ था, जिसका चुनाव परिणाम आज घोषित हुआ। जिसमें वह 900 वोट लेकर युवा कांग्रेस के जिला प्रधान निर्वाचित हुए है। जबकि अन्य सभी ब्लॉक प्रधान सर्वसम्मति से चुने गए है। इस अवसर पर युवा कांग्रेस नेता हिमांशु अरोड़ा हन्नी, कांग्रेस नेता सुभाष पाली, पूर्व नगर पार्षद ओम प्रकाश ओपी, पूर्व सरपंच टेकचंद बारना, विवेक भारद्वाज व सौरभ गर्ग ने भी युवा कांग्रेस के नव निर्वाचित जिला प्रधान कुलदीप ढिल्लो हथीरा तथा उनकी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह टीम कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी।

बूंदाबांदी से तापमान में गिरावट, गर्मी से राहत, मक्के व सूरजमुखी की फसल को नुकसान

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 17 जून। सोमवार देर रात्रि से दोपहर तक हुई बूंदाबांदी से तापमान में गिरावट आने से मौसम सुहावना हो गया है। जिससे लोगों को पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से राहत मिली और लोगों ने राहत की सांस ली। बूंदाबांदी से धान रोपाई के कार्य में भी तेजी आने के आसार बन गए है। वहीं दूसरी और यह बरसात मक्का व सूरजमुखी की उपज करने वाले किसानों के लिए आफत साबित हो रही है। बरसात के चलते अनाज मंडी में बिकवाली के लिए आई सैकड़ों एकड़ सूरजमुखी व मक्के की फसल बरसात की भेंट चढ़ गई है। जिससे किसानों को भारी नुकसान होने का अनुमान है। किसान विष्णु दत्त शर्मा, अनिल कुमार, प्रदीप, मनदीप सिंह आदि ने बताया कि इस समय सूरजमुखी व मक्के की कटाई का समय चल रहा है। किसानों को जल्द से जल्द मक्के व सूरजमुखी की फसल समेट कर धान की फसल के लिए खेत भी तैयार करने है लेकिन ऐन मौके पर आई बरसात ने किसानों के सारे समीकरण बिगाड़ के रख दिए है। खेत के साथ अनाज मंडी में बिकवाली के लिए आई मक्के व सूरजमुखी की फसल भीग गई है। फसल को सुखाने की लिए धूप की जरुरत है लेकिन अगले दो तीन दिन मौसम का मिजाज खराब चलने के अनुमान ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है।

शहर में ट्रैफिक दबाव कम करने हेतु विशेष कमेटी की बैठक आयोजित

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 17 जून। शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने, सडक सुरक्षा को सुनिश्चित करने और भावी शहरी विस्तार को ध्यान में रखते हुए गठित विशेष कमेटी के निदेर्शों की अनुपालना के लिए मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभागार में उपायुक्त अनीश यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अब तक की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

उपायुक्त अनीश यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं से संबंधित एस्टीमेट, अप्रूवल और एनओसी जैसी आवश्यक औपचारिकताओं को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समयसीमा में हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, जिससे समय और संसाधनों का उचित उपयोग हो सके। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि कुछ विभागों को छोडक? अन्य विभागों का कार्य संतोषजनक है, विशेषकर पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को कार्यों में तेजी लानी होगी। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपायुक्त ने सभी विभागों को यह निर्देश भी दिए कि कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा की अध्यक्षता में गठित विशेष कमेटी द्वारा लिए गए निर्णयों की 100 प्रतिशत अनुपालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह कार्य जनहित से जुड़ा है और इसकी सफलता सभी विभागों के ठोस और समन्वित प्रयासों पर निर्भर करती है।

नालंदा के 7 छात्रों ने पास की नीट परीक्षा, अंशु ने प्राप्त किए 575 अंक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सतनाली, 17 जून। खंड के गांव डालनवास स्थित नालंदा विद्या निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के 7 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा में 515 से अधिक अंक प्राप्त करके विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परीक्षा पास करने वाले होनहारों की सफलता पर विद्यालय के प्रबंधक जय सिंह फोगाट ने विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों सहित शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रबंधक जय सिंह फोगाट ने बताया कि विद्यालय की अंशु सुरेहती मोडियाना ने 575 अंक, प्रज्ञा ढाणी भालोठिया ने 565, पंकज धनासरी ने 554, अनुज कुमार बारड़ा ने 541, चंचल जवाहर नगर ने 522, कोमल कुलोठ कलां ने 522 व अमन मिठ्ठी ने 519 अंक प्राप्त कर कामयाबी हासिल की है। विद्यालय निदेशक विक्रम सिंह लांबा ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बताया कि परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्र सामान्य परिवार से संबंध रखते है तथा प्रथम प्रयास में ही उन्होंने यह परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा साबित की है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के स्टाफ तथा अभिभावकों को देते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने केवल मेहनत की जबकि उन्हें सही मार्गदर्शन व उचित शिक्षा अभिभावकों व शिक्षकों ने प्रदान की। विज्ञान संकाय के अध्यापक प्रविंद्र भालोठिया, ममता लांबा, संदीप वर्मा व दीपक कुमार ने बताया कि विद्यालय में कक्षा के साथ-साथ कोचिंग भी प्रदान की जाती है जिसका सकारात्मक परिणाम मिला है। इस दौरान समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

कोरोना संक्रमण की आहट व परिवर्तनशील तापमान के चलते बढ़ रही मरीजों की संख्या

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सतनाली, 17 जून। पिछले कुछ दिनों से देश में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों को लेकर लोगों में बनी भय की स्थिति व पिछले कुछ दिनों से कभी तेज गर्मी तो कभी बूंदाबांदी तो कभी उमस भरी गर्मी के कारण रोजाना हो रहे मौसम में बदलाव के चलते कस्बे के स्वास्थ्य केंद्र व निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। एक बार फिर से कोरोना संक्रमण की आहट को लेकर लोगों में भय इतना है कि लोग हल्की खांसी जुकाम होने पर पहले मेडिकल स्टोर से दवाएं लेते थे परंतु अब संक्रमण के चलते लोग स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंच रहे है। वहां चिकित्सक से न केवल परामर्श ले रहे है बल्कि उपचार के साथ यह भी सुनिश्चित कर रहे है कि इन दवाओं से उन्हें राहत तो मिलेगी या नहीं। हालांकि अभी तक क्षेत्र सहित जिले में कोरोना संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है परंतु लोग विशेष सावधानी बरत रहे है। कोरोना संक्रमण के साथ मौसम परिवर्तन ने भी लोगों की चिंता बढ़ा दी है। कभी तेज धूप तो कभी बादलवाही व बूंदाबांदी से मौसम में बदलाव अपने साथ कई बीमारियों को भी लेकर आ रहा है। जिनमें से बुखार, खांसी, जुकाम तो सामान्य है ही, साथ ही यह बदलता हुआ मौसम छोटे बच्चों, बुजूर्गो तथा अस्थमा व सांस की तकलीफ के रोगियों के लिए विशेष तौर पर परेशानी का सबब बना हुआ है। इसके अतिरिक्त मौसम का यह बदलाव त्वचा रोगों तथा एलर्जी से पीड़ित रहने वाले रोगियों के लिए भी मुसीबत बन गया है। जिसके चलते उन्हें न केवल अतिरिक्त तकलीफों से गुजरना पड़ रहा है बल्कि अतिरिक्त सावधानियां भी बरतनी पड़ रही है। मौसम परिवर्तनशील होने से इस दौरान तापमान के अचानक घटने व बढ़ने से विशेष रूप से छोटे बच्चे तथा बुजुर्ग प्रभावित होते है। रोगों से प्राकृतिक रूप से लड़ने की शरीर की अपनी प्रतिरोधक प्रणाली होती है जो किसी भी व्यक्ति की शारीरिक शक्ति, प्रकृति व उसके अच्छे स्वास्थ्य के अनुसार कार्य करती है। छोटे बच्चों तथा बुजुर्गों में यह रोग प्रतिरोधक क्षमता, शारीरिक क्षमता व शक्ति की कमी होती है। जिसके चलते उन्हे मौसम तथा तापमान का निरंतर बदलाव ज्यादा प्रभावित करता है तथा वह ज्यादा बीमार होते है।

कर्मचारियों की मांगों को लेकर कार्यकारी अभियंता से मिला यूनियन प्रतिनिधिमंडल

-कार्यकारी अभियंता ने कर्मचारियों की मांगों का जल्द समाधान करने का दिया आश्वासन

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 17 जून। हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन की ग्रामीण ब्रांच का प्रतिनिधिमंडल कर्मचारियों की मांगों को लेकर ब्रांच प्रधान सुशील कुमार खुंडिया के नेतृत्व में मंगलवार को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंडल नंबर एक की कार्यकारी अभियंता से मिला।

ब्रांच प्रधान सुशील कुमार खुंडिया ने बताया कि कार्यकारी अभियंता के साथ बहुत ही सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। कार्यकारी अभियंता ने कर्मचारियों की मांगों का जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि

प्रतिनिधिमंडल ने कार्यकारी अभियंता के समक्ष टर्म अप्वाइंटी कर्मचारियों के एक साल के बकाया वेतन का जल्द भुगतान करने, कौशल रोजगार निगम के आधीन कार्यरत कर्मचारियों के एक माह के वेतन का भुगतान करना, कौशल रोजगार निगम व टर्म अप्वाइंटी कर्मचारियों को डांगरी व जूते का भुगतान करना, कौशल रोजगार कर्मचारियों का पद नाम बदला जाए, कौशल रोजगार कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा पत्र जारी करवाया जाए, कौशल रोजगार निगम व टर्म अप्वाइंटी कर्मचारियों के ईएसआई कार्ड जल्द बनवाए जाएं व सभी जलघरों पर प्रतिबंध पदों के अनुसार कर्मचारी नियुक्त किए जाएं।

ब्रांच प्रधान सुशील कुमार खुंडिया ने कहा कि यदि कार्यकारी अभियंता ने जल्द मांगों का समाधान नहीं किया तो यूनियन कड़ा फैसला लेने को मजबूर होगी, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी उक्त अधिकारी की होगी। प्रतिनिधिमंडल में ब्रांच सचिव प्रदीप कुमार, वरिष्ठ उपप्रधान राजेंद्र खारडिया, कैशियर राकेश झाझडि ?ा, रामपाल, राजेश, पवन, चानन, सतीश शर्मा, मोनू, रोहताश, सचिन शर्मा, राजपाल व राजेश सेलपाड़ आदि शामिल रहे।

सरकार व जिला प्रशासन को महाराजा अग्रसेन मार्केट ठेका खोलने की परमिशन रद्द करनी चाहिए : बजरंग गर्ग

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 17 जून। महाराजा अग्रसेन मार्केट में शराब का ठेका खुलने के विरोध में आज मार्केट बंद व प्रदर्शन हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग के नेतृत्व में किया गया। ठेके के विरोध में मार्केट बंद रही। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उपस्थित व्यापारी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार व जिला प्रशासन को महाराजा अग्रसेन मार्केट में शराब का ठेका नहीं खोलना देना चाहिए।

महाराजा अग्रसेन मार्केट के पास मंदिर, पुस्तकालय व महान पुरुषों की प्रतिमा लगी हुई है। पुस्तकालय में सैकड़ों बच्चे पढ़ाई करने के लिए आते है। ऐसे में आबकारी एवं कराधान विभाग को शराब ठेका खोलने की जगह बदल देनी चाहिए, इसी तरह वर्ष 2000 में भी इस मार्केट से ठेका खुला था उस समय भी सरकार व जिला प्रशासन द्वारा दूसरे स्थान पर स्विफ्ट किया गया था। बजरंग गर्ग ने कहा कि शराब का ठेका खोलने की परमिशन आबकारी एवं कराधान विभाग देता है मगर आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारी जनप्रतिनिधियों की परवाह ना करते हुए अपने निजी स्वार्थ के लिए शराब का ठेका खोलने की परमिशन कहीं भी दे देते हैं जो उचित नहीं है। शराब व जिला प्रशासन को महाराजा अग्रसेन मार्केट में ठेका खोलने की परमिशन रद्द करनी चाहिए ताकि धर्म प्रेमियों की भावनाओं को ठेस ना पहुंचे और किसी प्रकार का भाईचारा खराब ना हो।

इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन मार्केट के चेयरमैन श्रीराम राजलीवाला, प्रधान विनोद राजलीवाला, अनाज मण्डी एसोसिएशन के जिला प्रधान पवन गर्ग, राजगुरु मार्केट आगेनाईजेशन के प्रधान शिव कुमार सैनी, संरक्षक सुरेंद्र सोनी, व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन मंत्री राजेंद्र बंसल, प्रदेश सहसचिव निरंजन गोयल,युवा प्रदेश प्रभारी राहुल गर्ग, प्रमुख समाजसेवी राकेश अग्रवाल, हरियाणा किसान मोर्च के अध्यक्ष दलजीत पंघाल, उपप्रधान प्रेम बंसल, वीरेंद्र तनेजा, कृष्ण गोयल, इलेक्ट्रिक एसोसिएशन के प्रधान हरिश बांगा, मोहित गर्ग, पुस्तकालय संचालक ओमप्रकाश जानी, संजय सुखीजा, महेंद्र गर्ग, सुभाष सैनी, युवा बिश्नोई सभा से कुलदीप बिश्नोई, आटो स्पेयर पार्ट एसोसिएशन के प्रधान बंटी गोयल, खल चुरी एसोसिएशन के प्रधान त्रिलोक कंसल, एस एस जैन सभा के प्रधान प्रवीण जैन आदि प्रतिनिधि, महिला व छात्र भारी संख्या में मौजूद थे।

आदेश मेडिकल कालेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

योग को जीवन में अपनाकर हम रह सकते हैं स्वस्थ : डा. गुणतास गिल

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 17 जून। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कालेज व अस्पताल में भव्य योग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आदेश अस्पताल के निदेशक डा. गुणतास सिंह गिल एवं प्रिंसीपल डा. एन.एस. लांबा ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी और युवाओं को योग को जीवनशैली में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष डा. विक्रांत प्रभाकर की देखरेख में किया गया। जिसका संचालन डा.

विजय विवेक, डा. नेहा गौर और डॉ. प्रांजल धीर ने किया। इसमें डा. सुशील दलाल एवं डा. परमाल सैनी का भी विशेष सहयोग रहा। आयुष विभाग अंबाला एवं हरियाणा योग आयोग के सहयोग से कई प्रतिष्ठित योग विशेषज्ञों और वक्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। योगाचार्य पंकज कुमार ने योगासन और प्राणायाम का जीवंत प्रदर्शन किया। योग को लेकर वक्ताओं अंबाला से आयुर्वेदिक मेडिकल आफिसर डा. समीधा शर्मा, ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन, डा. वृंदा आयुर्वेदिक मेडिकल आफिसर एवं डा. निधीश कुमार यादव सहित सभी ने योग के शारीरिक, मानसिक और आत्मिक लाभों पर प्रकाश डाला। छात्रों, फैकल्टी और अस्पताल स्टाफ ने बढ़-चढकर भाग लिया और योग प्रशिक्षकों द्वारा सिखाए गए आसनों को बड़े उत्साह के साथ सीखा। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने इस सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए आयुष विभाग हरियाणा योग आयोग और सभी का आभार प्रकट किया।

रोगियों के लिए नई उम्मीद बना श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय

13 साल से एनीमिया से जूझ रहा रोगी स्वस्थ

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 17 जून। आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली ने एक बार फिर खुद को कारगर साबित किया है। 13 वर्षों से आटोइम्यून हेमोलीटिक एनीमिया से जूझ रहे नजफगढ़ निवासी एक रोगी को अब न तो खून चढ़वाने की जरूरत पड़ रही है और न ही वह पुरानी थकान, कमजोरी या सांस फूलने जैसी समस्याओं से परेशान हैं। हालात ऐसे बन गए थे कि रोगी को एक समय में 4-4 यूनिट रक्त की चढ़वानी पड़ती थी। बावजूद इसके शरीर में बार-बार खून की कमी होना, बुखार, पीलिया, कमजोरी और सांस फूलना जैसी कई तरह की दिक्कते रहना आम बात थी। कई जगह भटकने के बाद रोगी कुरुक्षेत्र के सेक्टर-8 स्थित श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के

आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के पंचकर्म विभाग में प्रो.राजा सिंगला के पास अपना ईलाज कराने पहुंचा। यहां डॉ. सिंगला ने मरीज के खून की जांच करा बीमारी की नब्ज को पकड़ा और फिर आयुर्वेदिक औषधियों से उपचार करके रोगी को स्वस्थ किया। दिल्ली के नजफगढ़ निवासी रविंद्र सिंह (43) पिछले 13 वर्षों से गंभीर एनीमिया से ग्रस्त थे। हालात इतने बिगड़ गए थे कि उन्हें हर साल अस्पताल में भर्ती होकर 4 यूनिट तक खून चढ़वाना पड़ता था, फिर भी हीमोग्लोबिन का स्तर कभी 8 ग्राम/डीएल से ऊपर नहीं गया। डॉक्टरों ने उन्हें जीवनभर दवा लेने और तिल्ली (स्प्लीन) हटाने की सलाह दी थी। जिससे वे मानसिक रूप से टूट चुके थे। रविंद्र के अनुसार, साल 2012 में पहली बार सांस फूलने लगी। जब जांच कराई तो शरीर में सिर्फ 4 ग्राम/डीएल रक्त पाया गया। तब से लेकर 13 साल तक अस्पताल और दवाइयों के चक्कर चलते रहे। आशा की एक किरण तब जगी, जब सोनीपत निवासी उसके मामा जो स्वयं भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे, श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के प्रो.राजा सिंगला से उपचार करा कर स्वस्थ हुए। उनकी सलाह पर रविंद्र फरवरी 2024 में डॉ.सिंगला के पास अपना उपचार कराने पहुंचे थे। यहां से आयुर्वेदिक उपचार लेने के बाद उनके शरीर में रक्त की मात्रा 11.7 ग्राम/डीएल तक पहुंच गई है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 17 जून। उपायुक्त अनीश यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला सडक सुरक्षा समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सडक दुर्घटनाओं को कम करने और सडक सुरक्षा सुधारों पर व्यापक चर्चा हुई।

उपायुक्त ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध कटों को जल्द से जल्द स्थायी रूप से बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में कोई लापरवाही सहन नहीं की जाएगी और आवश्यकता पडने. पर संबंधित एसडीएम तथा पुलिस की सहायता ली जाए। उपायुक्त ने गढ़ी, सोरखी आदि जगहों पर, जहां भी डिवाइडर ग्रिल टूटे हुए हैं, ऐसे सभी स्थानों पर ग्रिल की मरम्मत व बैरिकेडिंग करवाने के निर्देश दिए। उपायुक्त के समक्ष 2024 व 2025 के सडक दुर्घटनाओं के आंकड़े प्रस्तुत किए गए। उपायुक्त ने सडक से संबंधित सभी विभागों को निर्देश दिए कि डेटा-आधारित विश्लेषण के आधार पर सटीक रणनीति बनाई जाए।

बैठक में बताया गया कि कई एजेंडा बिंदु एनएचएआई व लोक निर्माण विभाग द्वारा पिछले 3 से 6 महीनों से लंबित हैं। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में विभागों की जवाबदेही तय की जाएगी और समय सीमा में कार्य पूरा न करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त अनीश यादव ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि सडक सुरक्षा से जुड़ी सभी कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी। सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी और आगामी बैठक में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने सभी जांच अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी सडक दुर्घटना की जानकारी, विशेषकर फोटो, बिना देरी के आईरैड पोर्टल पर अपलोड की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनावश्यक देरी से आंकड़ों की गुणवत्ता और जांच की प्रक्रिया प्रभावित होती है। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने अवैध कटों के कारण हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता जताई गई। बैठक में हिसार एसडीएम ज्योति मित्तल, बरवाला एसडीएम डॉ. वेदप्रकाश बेनीवाल, नगराधीश हरिराम, रोडवेज महाप्रबंधक डॉ मंगलसेन, डीएफओ रोहताश बिरथल, डीएसपी सिद्धार्थ, आरटीए संजय बिश्नोई, सिंचाई विभाग के एसई विमल कुमार, एक्सईएन भूपेंद्र सिंह, जतिन खुराना, डॉ गरिमा दहिया, निखिल मोर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम को लेकर एडीसी ने सौंपी अधिकारियों को जिम्मेदारी

एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल ने नागरिकों से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का किया आह्वान

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 17 जून। एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल की अध्यक्षता में स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित हुई। एडीसी ने जिला स्तर, उपमंडल और ब्लॉक स्तर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों को लेकर संबंधित अधिकारियों को जिम्मेवारी सौंपी। वहीं दूसरी ओर एसडीसी ने नागरिकों से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया।

बैठक में एडीसी डॉ. नागपाल ने निर्देश देते हुए कहा कि जिला

स्तरीय योग कार्यक्रम स्थानीय भीम खेल परिसर में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे 21 जून को जिला स्तर के साथ-साथ उपमंडल और ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले योग दिवस कार्यक्रमों में अपने अधीनस्थ स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने कहा कि योग दिवस कार्यक्रमों में सभी वर्गों की भागीदारी होनी चाहिए।

उन्होंने शहरी स्थानीय निकाय विभाग और जिला खेल अधिकारी को भीम खेल परिसर में योग स्थल की साफ-सफाई दुरुस्त करवाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार से उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को पर्याप्त पेयजल का प्रबंध करने, बिजली निगम को निर्बाध रूप से बिजली उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि इस दौरान एक चिकित्सक टीम और एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए। उन्होंने जीएम रोडवेज व आरटीए को विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त संख्या में बसों का प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने अग्निशमन विभाग को योग स्थल कार्यक्रमों पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

बॉक्स

20 जून को होगी योग मैराथन व पायलट रिहर्सल

एडीसी ने बताया कि 20 जून को स्थानीय भीम खेल परिसर से योग दिवस कार्यक्रम को लेकर सुबह सात बजे पायलट रिहर्सल होगी। उसके बाद आठ बजे योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा। एडीसी ने जिला खेल अधिकारी और शिक्षा विभाग को योग मैराथन में अधिक से अधिक संख्या में बच्चों को शामिल करने के निर्देश दिए।

बंद पड़े मकान से नकदी व आभूषण चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 17 जून। गांव खारिया में एक बंद मकान में घुसकर चोरों ने 6 हजार रुपए की नकदी सहित आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया।

पुलिस को दी शिकायत में गांव मंगालिया निवासी मदन ने बताया कि गांव खारिया स्थित एसबीआई बैंक में कार्यरत है और किराए के मकान में रह रहा है। उसने बताया कि बीती 15 जून को वह परिवार सहित रिश्तेदारी में गया हुआ था।

कृषि विभाग की टीम ने फर्टिलाइजर, पेस्टिसाइड व बीज के 107 भरे सैंपल

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 17 जून। उप कृषि निदेशक कुरुक्षेत्र डा. कर्मचंद के आदेशानुसार विभाग की टीम द्वारा धान की सीजन के शुरूआत में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद की उपलब्धता को लेकर कई डीलरों की दुकान का औचक निरीक्षण किया और विभिन्न कैटेगरी में 107 सैम्पल जांच के लिए भरे गए। टीम सदस्य गुण नियंत्रक निरीक्षक शशीपाल व सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी अनिल चौहान ने कई डीलरों की दुकान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों, निमाताओं के फर्टिलाइजर, पेस्टिसाइड व बीज के सैंपल भरे गए। डा.कर्म चंद ने बताया अभी तक 20 सैम्पल पेस्टीसाईड व 20 सैंपल फर्टिलाइजर के एवं 77 सैम्पल बीज के भरे जा चुके हैं। यह कार्यवाही भविष्य में भी लगातार जारी। आज टीम द्वारा गांव धंतौड़ी व खरींडवा में भी दुकानों से सात सैम्पल लिए गए है। डा. कर्मचंद, उप कृषि निदेशक कुरुक्षेत्र के आदेश अनुसार भविष्य में भी इसी प्रकार से दुकानदारों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। जो जिस भी दुकानदार के रिकॉर्ड मे कमी पाई। किसान की ओर से कोई शिकायत आती है तो उसके खिलाफ तुरंत नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी, ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद मिल सकें।

रतिया पुलिस ने चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित एक युवक को किया गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 17 जून। पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस के निदेर्शानुसार वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत रतिया पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान अजय कुमार उर्फ काली पुत्र सतीश कुमार, निवासी पुराना बाजार, रतिया के रूप में हुई है।

थाना शहर रतिया के प्रभारी एसआई रणजीत सिंह ने बताया कि दिनांक 16 जून को गांव रायपुर निवासी गुरविन्द्र सिंह की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार वह अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर पंजाब नेशनल बैंक, रतिया के पास स्थित एक गली में गया था। उसने मोटरसाइकिल को एक मेडिकल स्टोर के बाहर खड़ा कर दवाई लेने के लिए दुकान में प्रवेश किया। कुछ देर बाद जब वह बाहर आया तो मोटरसाइकिल वहां से गायब थी।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस द्वारा तुरंत कार्रवाई करते हुए जांच अधिकारी एएसआई गुरदित्ता ने तकनीकी सहायता और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी अजय को मिनी बाईपास से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि उससे पूछताछ कर अन्य संभावित वारदातों की भी जांच की जा सके।

भारतीय किसान संघ का प्रतिनिधिमंडल कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा से मिला

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी
रादौर, 17 जून। भारतीय किसान संघ का एक प्रतिनिधिमंडल रादौर स्थित कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा निवास पर मिला। इस मौके पर रामबीर चौहान ने कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के समक्ष किसानों से जुडी अनेक मांगें रखी। जिसमें गन्ने के बकाया भुगतान करवाए जाने की गुहार लगाई गई। वहीं संघ के सदस्यों ने कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा को मांगपत्र सौंपकर गन्ने की फसल का बकाया भुगतान किए जाने की मांग की। मांगपत्र में बताया गया कि प्रदेश में गन्ना किसानों का लगभग 22 करोड़ रूपया शुगर मिलों के पास बकाया है। जिसमें यमुनानगर शुगर मिल का सबसे अधिक लगभग 6 करोड़ रुपये बकाया है। कृषि मंत्री ने भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी को विश्वास दिलाया कि एक हफ्ते के अंदर गन्ना भुगतान हो जाएगा। उन्होंने चंडीगढ़ उच्च अधिकारियों से बात की और आदेश दिया के किसानों को गन्ने का भुगतान तुरंत किया जाए। इस अवसर पर रामबीर चौहान प्रदेश महामंत्री, मोतीपुर प्रताप सिंह खजूरी, सुशील राणा कोषाध्यक्ष, राजकुमार, ओम प्रकाश, गोपाल राणा आदि मौजूद रहे।

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी 18 जून बुधवार को तोशाम क्षेत्र के चार गांवों का दौरा कर सुनेंगी लोगों की समस्याएं

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी
तोशाम, 17 जून। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी 18 जून बुधवार को तोशाम क्षेत्र के चार गांवों का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनने उपरान्त चौपाल कार्यक्रम के जरिये 11 वर्षो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कारगार नीतियों बारे लोगों को जागरूक करेंगी।
उपायुक्त कार्यालय से राज्यसभा सांसद के दौरा कार्यक्रम की मिली जानकारी के अनुसार राज्यसभा सांसद किरण चौधरी आज बुधवार को तोशाम क्षेत्र के ईशरवाल में 11 बजे, रोढा में 11:40, हसान में 12:20 और ढागंर में दोपहर 01:40 बजे गांव का दौरा कर लोगों की समस्या सुनेंगी और चौपाल कार्यक्रम के जरिये 11वर्षो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू की गई जनहितैषी व देशहित में विश्व स्तरीय कारगार नीतियों बारे लोगों को जागरूक करेंगी।
इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी उनके साथ मौजूद रहेंगे। तत्पश्चात सांसद किरण चौधरी सायं 04 बजे पंचायत भवन भिवानी के सभागार में 11वर्षो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कारगार नीतियों बारे जागरूकता कार्यक्रम में शिरकत करेंगी।

गुरुकुल कुरुक्षेत्र के 19 में से 18 छात्रों ने किया नीट क्वालीफाई

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 17 जून। एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा हरियाणा के नंबर वन विद्यालय के खिताब से नवाजा गया गुरुकुल कुरुक्षेत्र आज पूरे विश्वभर पटल पर छाया हुआ है। इसका श्रेय जहां आचार्य देवव्रत के कठिन परिश्रम और दूरदर्शी सोच को जाता हैं, वहीं गुरुकुल में छात्रों को उपलब्ध सुविधाएं और पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु मिलने वाला मार्गदर्शन की भी अहम भूमिका रही है। हाल ही में नीट -2025 के रिजल्ट में गुरुकुल के 18 छात्रों ने सफलता हासिल की है जिससे गुरुकुल में तो जश्न का माहौल है। साथ ही छात्रों के अभिभावक भी खुशी से झूम रहे हैं।

बिजली निगम के जेई द्वारा किसानों के साथ अभद्र व्यवहार को लेकर किसानो ने दिया धरना

सुचना मिलने पर थाना रादौर प्रभारी इंस्पेक्टर नरेन्द्र सिंह राणा मौके पर पहूंचे

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी
रादौर, 17 जून। भारतीय किसान यूनियन ने बिजली निगम रादौर कार्यालय में बिजली निगम के एक जेई द्वारा किसानों के साथ अभद्र व्यवहार को लेकर किसानो ने बिजली कार्यालय मे दिया धरना दिया। धरने की सुचना मिलने पर थाना रादौर प्रभारी इंस्पेक्टर नरेन्द्र सिंह राणा भारी पुलिस बल के साााथ मौके पर मैनात रहे। कार्यवाहक एसडीओ जी.के आहुजा के हस्तक्षेप के बाद जेई ने किसानों से माफी मांगी।भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में रादौर बिजली कार्यालय का घेराव किया गया और धरना दिया। जिला

अध्यक्ष सुभाष गुर्जर के नेतृत्व मे किसान बिजली कार्यालय रादौर में पहुंचे और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर एसडीओ जी.के आहूजा और एसडीओ मनीष शर्मा मौके पर पहुंचे। सुभाष गुर्जर ने बताया कि जोगिंदर नाम का एक जेई ई जो किसानों के साथ बदतमीजी से पेश आता है। जब किसान फोन करते हैं तो उनके फोन पर अभद्र व्यवहार करता है। उसी को लेकर लेकर आज किसानों ने धरना दिया । बिजली मंत्री अनिल विज ने ऐलान किया हुआ है कि जो ट्रांसफार्मर 15 दिन में नहीं बदला जाएगा तो जे.ई को निलंबित किया जाएगा लेकिन काजनु गांव के किसान का ट्रांसफॉर्मर पिछले 4 महीने से खराब पड़ा है जिससे किसानों की फसल का नुकसान हो रहा है। इस मौके पर अशोक डांगी प्रधान रादौर,रविंद्रपाल सिंह स.मनमोहन औजला,साहिल सेतिया, कुलविंदर सिद्धू,महेंद्र कंबोज चमरौडी,विनोद डांगी मदनलाल कांजनु राजेश रतनगढ़,रमेश ढिल्लों,सुरेंद्र आदि मौजूद थे।

एशिया पैरा बैडमिंटन चैम्पियनशिप : बैडमिंटन नर्सरी डीएचबीवीएन हिसार के खेलेंगे दो खिलाड़ी

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 17 जून। विद्युत नगर में स्थापित बैडमिंटन हॉल के दो खिलाड़ी विजयेंद्र और योगेश एशिया पैरा बैडमिंटन चैम्पियनशिप, थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। यह प्रतियोगिता 22 जून तक थाईलैंड में खेली जाएगी। ये दोनों खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में एकल व युगल मुकाबले में भारत की तरफ से भाग लेंगे।
इस अवसर पर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के मैनेजिंग डायरेक्टर ए श्रीनिवास ने दोनों खिलाडि ?ों को थाईलैंड एशिया पैरा बैडमिंटन प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए बधाई दी तथा दोनों खिलाडि ?ों को पदक जीतने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने दोनों खिलाडि ?ों को प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने विद्युत नगर में स्थापित बैडमिंटन खेल अकादमी में खिलाडि ?ों के

अभ्यास के लिए और अधिक सुविधाएं देने का आश्वासन दिया तथा बैडमिंटन हॉल को वातानुकूलित करने के लिए निर्देश दिया ताकि खिलाड़ी गर्मी में भी अच्छा अभ्यास कर पाए।
उन्होंने ने बताया की खिलाडि ?ों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के सात बैडमिंटन कोर्ट, अत्याधुनिक जिम का निर्माण, रनिंग ग्राउंड व स्विमिंग पूल दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। इन सुविधाओं के साथ दो अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोच भी विभाग द्वारा खिलाडियों की प्रैक्टिस के लिए लगाए गए हैं।
नर्सरी में पूरे हरियाणा से खिलाडि ?ों का चयन ट्रायल द्वारा किया जाता है। दोनों खिलाडि ?ों के कोच व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुरेंद्र कुमार तथा वीरेंद्र कुमार, वरिष्ठ लेखा अधिकारी दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम भी इस अवसर पर उपस्थित थे तथा उन्होंने बताया कि दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की बैडमिंटन अकादमी के द्वारा दी गई सुविधाओं फ्री योनेक्स शटल, फ्री कोचिंग, जिम व अंतर्राष्ट्रीय फिजियोथैरेपिस्ट के चलते दोनों खिलाड़ी देश का नाम रोशन करने जा रहे हैं। इससे पहले भी दोनों खिलाड़ी युगांडा इंटरनेशनल बैडमिंटन प्रतियोगिता में उच्च प्रदर्शन के साथ विजेंद्र ने सिल्वर मेडल हासिल किया है व इंडोनेशिया इंटरनेशनल बैडमिंटन प्रतियोगिता में भी दोनों खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इन दोनों खिलाडि ?ों ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मेडल जीतकर देश व विभाग का नाम रोशन किया है। इसके अतिरिक्त योगेश ने हाल ही में पैरा खेलो इंडिया नेशनल गेम्स जो दिल्ली में आयोजित हुए थे, उसमें एकल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया है। योगेश जींद व विजयेंद्र गांव नहला से हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग संगोष्ठी आयोजित

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 17 जून। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयुष विभाग, हरियाणा एवं हरियाणा योग आयोग के निदेर्शानुसार जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग, कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ जयदीप आर्य के मार्गदर्शन एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ सुदेश जाटियान के निर्देशन में श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के सभागार में आज शोध पर आधारित एक योग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला आयुष अधिकारी डॉ

सुदेश जाटियान, विशिष्ट अतिथियों हरियाणा योग आयोग के सदस्य डॉ मनीष कुकरेजा, श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय की योग विभाग अध्यक्षा डॉ शीतल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मनीषा, भारतीय योग संस्थान, हरियाणा के संगठन मंत्री एवं जिला योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संवर्धन समिति के सचिव गुलशन कुमार ग्रोवर, जिला योग कोआर्डिनेटर डॉ जगीर सिंह, एएमओ डॉ महिपाल, डॉ संदीप, डॉ मीना, डॉ तृप्ता, डॉ सोनीली इत्यादि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। भारतीय योग संस्थान के संगठन मंत्री गुलशन कुमार ग्रोवर ने अपनी नौ वर्ष की योग साधना की अनुभूति के आधार पर बताया कि योग न केवल व्यक्ति के शारीरिक बल्कि मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। इस अवसर पर डॉ वीरेंद्र मेहरा, मनी राम सैनी, ओम प्रकाश बाजवा, रितु रानी सहित काफी संख्या में योग साधक मौजूद रहे।

विद्यार्थी बातचीत के लिए आगे आए, समस्या का समाधान अवश्य होगा : डॉ. राजबीर गर्ग

2017 से पहले विभाग के सिर्फ एक टॉपर विद्यार्थी को ही स्टाइफंड दिया

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 17 जून। कमेटी ने छात्रवृति और एलडीवी की शुरू से जानकारी देते हुए बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 की दाखिला प्रक्रिया में दो बदलाव किए गए थे। पहला-एमएससी और पीएचडी के मेरिट स्टाइफंड में बदलाव किया गया था क्योंकि वित्तीय स्थिति के कारण इस छात्रवृति को जारी रखना संभव नहीं था।
वित्तीय वर्ष 2016-17 में मेरिट स्टाइफंड करीब 75 लाख रूपए था, जो अब बढक? 9 करोड़ तक पहुंच गया है। इसका विश्वविद्यालय के बजट में कोई प्रावधान नहीं है। दूसरा इसमें कोई स्पर्धा नहीं है क्योंकि यह शत प्रतिशत विद्यार्थियों को दी जाती है। सभी छात्रों को मेरिट स्टाइफंड देने का प्रावधान वर्ष 2017 में किया गया था। उससे पहले विभाग के सिर्फ एक टॉपर विद्यार्थी को ही मेरिट स्टाइफंड दिया जाता था। दूसरा मुद्दा एलडीवी के तहत जो सीटें दी जाती हैं उनमें कोई बदलाव नहीं किया गया। ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को इसका फायदा मिल सके। विद्यार्थियों को एक बार ही एलडीवी का लाभ मिलेगा। अगर विद्यार्थी ने इसका लाभ बीएससी में ले लिया है तो एमएससी/पीएचडी में नहीं मिलेगा

ताकि उसी गांव के अन्य लोगों को यह फायदा मिल सके।
उन्होंने बताया कि मुद्दों पर विद्यार्थियों की तरफ से मांगपत्र आया था उसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा एक कमेटी गठित की गई। कमेटी ने छात्रों से मीटिंग की और छात्र मान कर चले गए, फिर दूसरे छात्रों का ग्रुप आया और वो भी सहमत नजर आया।
परन्तु 10 जून को दो अप्रिय घटनाएं हुई। पहली घटना प्रशासनिक भवन में हुई जिसमें कुछ छात्रों ने जबरदस्ती कुलपति कार्यालय में घुसने की कोशिश की। उनकी मंशा ठीक नहीं थी, उनकों रोकने और समझाने की कोशिश की गई। दूसरी घटना उसी दिन रात को करीब 10 बजे हुई, छात्र कुलपति निवास जाने वाली सडक पर धरना देकर बैठ गए, वहां कुलपति सहित अन्य अधिकारियों के निवास हैं तथा सडक आगे बंद है। इस प्रकार रास्ता पूर्ण रूप से अवरूद्ध कर दिया गया। वहां पर रह रहे अधिकारियों व उनके परिवार के आने जाने का रास्ता बंद हो गया। कुलसचिव व अन्य अधिकारियों ने विद्यार्थियों को समझानें की कोशिश की लेकिन छात्रों ने दुर्व्यवहार किया और गाली गलौच भी की। इसके कुछ समय बाद कुलपति की गाड़ी आई, छात्रों द्वारा गाड़ी को अवरूद्ध किया गया तथा तोडफोड़ करने की कोशिश की गई।
कुलपति की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मचारियों-अधिकारियों ने कठिन प्रयास के पश्चात कुलपति की गाड़ी को बाहर निकाला। परन्तु उस वक्त विद्यार्थी उग्र रूप धारण कर चुके थे। कुलपति आवास में घुसने की कोशिश कर रहे थे। स्वयं कुलपति व उनके परिवार की सुरक्षा खतरे में थी, इस कारण से सुरक्षा कर्मियों व छात्रों में हाथापाई हो गई। दोनों तरफ के लोगों को चोटें लगी। इस घटना के बाद छात्रों ने पथराव शुरू कर दिया जिससे स्थिति काफी विकराल हो गई। वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ दिया गया तथा वहां पर खड़ी गाडियों को भी नुकसान पहुंचाया गया। इसके बाद छात्र रातभर वहीं धरने पर बैठे रहे तथा सुबह उठकर विश्वविद्यालय के गेट नं 4 पर चले गए। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन व जिला प्रशासन ने मिलकर समाधान ढुंढने का प्रयास किया। विद्यार्थियों की ओर से जो मांगपत्र मिला उसकी सभी मांगे पूरी कर दी गई। कोई विषय बचा नहीं लेकिन छात्र अब भी आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन पूर्ण रूप से राजनीतिक रूप ले चुका है। छात्रों के अनुरोध पर विश्वविद्यालय ने कुछ परीक्षाएं स्थगित कर दी थी, परन्तु अब 16 जून से परीक्षा नियमित आयोजित की जा रही हैं जोकि 21 जून तक होंगी। छात्रावासों में विद्यार्थियों को डराया व धमकाया जा रहा है, उन्हें परीक्षा में बैठने नहीं दिया जा रहा। इन सब बाधाओं के बावजूद भी विद्यार्थी परीक्षाएं दे रहे हैं। परीक्षाएं शांतिपूर्ण हो रही हैं।
अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने एक बार पुनः छात्रों से अपील करते हुए कहा है कि वे बातचीत के लिए आगे आए ताकि समस्या का समाधान किया जा सके। इस अवसर पर स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा भी उपस्थित रहे।

ग्लोबल रिसर्च इंस्टिट्यूट की छात्रा प्रियंका ने बी फामेर्सी परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी
रादौर, 17 जून। ग्लोबल रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ फामेर्सी की मेधावी छात्रा प्रियंका ने बी फामेर्सी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्रा प्रियंका ने पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक की बी. फामेर्सी द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। प्रियंका ने कुल 725 में से 640 अंक अर्जित किए हैं, जो उनकी कठिन मेहनत, अनुशासन व अध्ययन के प्रति गहरे समर्पण का प्रमाण है। प्रियंका की यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि पूरे संस्थान के लिए गौरव का विषय है। वह अपने साथियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं। उनकी निरंतर मेहनत, एकाग्रता व दृढ़ निश्चय ने यह सिद्ध कर दिया है कि सही मार्गदर्शन और आत्मविश्वास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। पूरे सेमेस्टर के दौरान प्रियंका न केवल पढ़ाई में सक्रिय रहीं, बल्कि उनका व्यवहार भी अनुकरणीय रहा। उन्होंने हर विषय में गहरी रुचि दिखाई। यह परिणाम संस्थान के उस सहयोगी व सीखने के अनुकूल वातावरण को भी दशार्ता है, जो छात्रों को शैक्षणिक और व्यक्तिगत दोनों रूपों में निखारने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अश्विनी कुमार ने प्रियंका को बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी परिवार के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। प्रियंका की सफलता उनकी मेहनत और हमारे अनुभवी शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने अन्य छात्रों के लिए एक उच्च मानक स्थापित किया है। चेयरमैन सीए एसके जिंदल ने भी प्रियंका को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रियंका की उत्कृष्ट उपलब्धि पर हमें अत्यधिक गर्व है। यह सफलता संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता व मजबूत नींव को दशार्ती है।

शांतनु हत्या मामले के आरोपी की सूचना देने वालों को 2 लाख रुपये इनाम की घोषणा, आरोपी की पहचान रोमिल वासी जिला यमुनानगर के रूप में हुई

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 17 जून। शाहबाद में शराब कारोबारी शांतनु की हत्या मामले के आरोपी को पकड़वाने/सूचना देने वालों को हरियाणा पुलिस ने 2 लाख रुपए इनाम की घोषणा की है। आरोपी की पहचान रोमिल वासी जिला यमुनानगर के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 13 जून 2025 को शाहबाद में शराब कारोबारी शांतनु की आरोपियों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू की है। आरोपियों की तलाश में एसटीएफ हरियाणा सहित कुरुक्षेत्र की कई टीमें जुटी हैं। पुलिस ने एक आरोपी की फोटो सार्वजनिक कर आमजन से आरोपी को पकड़वाने या उसकी सूचना देने की अपील की है। इस आरोपी द्वारा 15 मई को बिलासपुर जिला यमुनानगर में भी इमीग्रेशन सैंटर पर फायर किया था तथा उसके बाद दोबारा रात 10 बजे चंडीगढ़ में भी फायर किया था। आरोपी पर हरियाणा पुलिस ने 2 लाख रुपये इनाम की घोषणा की है। अगर उपरोक्त युवक के बारे में किसी के पास कोई सूचना है तुरन्त इसकी पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

मौसम परिवर्तनशील रहने के चलते फसलों एवं पौधों का ध्यान रखें : डा. सी.बी. सिंह

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 17 जून। भीषण गर्मी के बाद हुए मौसम परिवर्तन को देखते हुए किसानों को अपनी फसलों एवं किचन गार्डनिंग में लगे पौधों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। कृषि वैज्ञानिक डा. सी.बी. सिंह के अनुसार मौसम में बदलाव के कारण फसलों और पौधों को नुकसान पहुंचने की आशंका अधिक रहती है। इस लिए विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अचानक तापमान में परिवर्तन, अधिक बारिश या उमस की स्थिति में पौधों व फसलों को नुकसान हो सकता है। इसलिए उचित देखभाल और सुरक्षा उपाय अपनाकर किसान अपनी फसलों और पौधों को स्वस्थ रख सकते हैं। डा. सिंह के अनुसार मौसम की स्थिति के अनुसार सिंचाई की व्यवस्था करें। अत्यधिक गर्मी में पौधों को नियमित रूप से पानी दें। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में फफूंद लगने का खतरा बढ़ जाता है। 7-10 दिनों के अंतराल पर पौधों पर जैविक या हल्के रासायनिक फफूंदनाशकों का छिड़काव करें। पौधों को उचित पोषण दें। खरपतवारों को नियमित रूप से हटाएं क्योंकि वे पौधों के विकास में बाधा डालते हैं। पौधों को रोगों और कीटों से बचाने के लिए समय-समय पर निगरानी रखें और आवश्यकतानुसार उपाय करें। किसान नियमित रूप से कृषि विशेषज्ञों एवं कृषि अधिकारियों से परामर्श करें। डा. सिंह ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए पूवानुर्मानों पर ध्यान दें और उसी के अनुसार अपनी फसलों की देखभाल करें।

18 जून की सुबह जिला प्रशासन द्वारा किया जाएगा योग मैराथन का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सोनीपत, 17 जून। आयुष विभाग के वरिष्ठद्द चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि 21वें जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्द्रीय योग दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत 18 जून को सुबह 06 बजे योग मैराथन का आयोजित होगी, जिसका उपायुक्त डॉ० मनोज कुमार हरी झण्डी दिखाकर लघु सचिवालय से रवाना करेंगे। इस दौरान नगराधीश डॉ० अनमोल सहित सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे।
उन्होंने बताया कि योग मैराथन लघु सचिवालय से शुरू होगी और हैबिटेट क्लब के सामने से महलाना रोड़, तिरंगा चौक, छोटूराम चौक से होते हुए वापिस लघु सचिवालय में समाप्त होगी। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लघु सचिवालय पहुंचकर योग मैराथन का हिस्सा बने ताकि अच्छे स्वास्थ्य के लिए चलाई जा रही मुहिम को मिलकर सफल बनाया जा सके।

जल संरक्षण की दिशा में उठाए जा रहे ठोस कदम : डीसी डॉ विवेक भारती

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नारनौल, 17 जून। महेंद्रगढ़ जिले में जल संचयन और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'जल शक्ति अभियान-2025: कैच द रेन व्हेन इट फॉल्स' के तहत ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जल संचयन संरचनाओं को मजबूत करें और पारंपरिक जल निकायों व तालाबों का जीर्णोद्धार करें।
डॉ. भारती ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे इन कार्यों को जेएसए पोर्टल (ँ३३स्र२://्नर२ू३१.ङ्म५१.ङ्म५.ल्ल/) पर नियमित रूप से अपडेट करें। उन्होंने बताया कि यह अभियान 9 मार्च से 30 नवंबर 2025 तक चलेगा, जिसका मुख्य लक्ष्य जिले में अधिकतम जल संचयन सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रसिद्ध जैन संत श्री सौरभ मुनि जी महाराज को राष्ट्रसंत के पद से अलंकृत किया

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 17 जून। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रसिद्ध जैन संत श्री सौरभ मुनि जी महाराज को राष्ट्रसंत के पद से अलंकृत किया। श्रमण संघीय सलाहकार राजर्षि महान तपस्वी गुरुदेव श्री सुमति प्रकाश जी महाराज साहब एवं लोह पुरुष तपस्वी श्री ओम मुनि की मानव साहब के प्रसिद्ध शिष्य श्रमण संघ गौरव धर्म प्रभावक प्रसिद्ध जैन संत श्री सौरभ मुनि जी महाराज साहब युवा प्रेरक श्री विज्ञान मुनि जी महाराज साहब दो संतों का उत्तर प्रदेश के यशस्वी एवं कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से बहुत ही मंगलमय और आध्यात्मिक चर्चाओं के साथ मिलन हुआ। इस अवसर पर श्री सौरभ मुनि जी महाराज साहब ने कहा जैन धर्म एवं सनातन धर्म आपस में हजारों वर्षों से पारस्परिक सौहार्द रहा हैं जीवन में लोगों को धर्म से जोड़ने के लिए लोगों को शाकाहारी बनने के लिए अहिंसा धर्म की प्रचार के लिए जैन संत पूरे जिंदगी भर पदयात्रा करते हैं। जैन मुनि ने आगे कहा भगवान ऋषभदेव एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान रामचंद्र जी एक ही वंशज के हुई है दोनों की जन्म भूमि अयोध्या रही है। भगवान ऋषभदेव एवं शिव शंकर महादेव यह एक ही महापुरुष को दो रूप में पूजा जाता है। आगे कहा संतों का जीवन इस दुनिया में त्याग और वैराग्यमय होता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान ऋषभदेव की जन्म भूमि अयोध्या और उनके ही वंशज भगवान रामचंद्र जी दोनों ही

भगवान की जन्म भूमि का सौभाग्य प्राप्त हमारे उत्तर प्रदेश की नगरी अयोध्या को प्राप्त हुआ है। यह संपूर्ण उत्तर प्रदेश एवं भारतवर्ष के लिए गौरव की बात है। आगे कहा उत्तर प्रदेश का विकास एवं सुशासन के संदर्भ में योगी जी ने कहा साधु पुरुषों की रक्षा एवं दुष्टों का संहार हम उस रूप में कर रहे हैं जिस रूप में भागवत गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है। श्री विज्ञान मुनि जी महाराज साहब ने कहा संतों के द्वारा ही समाज सही दिशा को और आगे बढ़ रहा है और संतों के जहां चरण पड़ते हैं वहां भाग्य का उदय होता है आज जैन संतों का एवं योगी आदित्यनाथ जी का आध्यात्मिक मिलन समाज के लिए शांति और भाईचारे के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रसिद्ध जैन संत श्री सौरभ मुनि जी महाराज साहब को भारत और नेपाल में सौरव विश्व शांति अहिंसा यात्रा के जम्मू से कन्याकुमारी तक महान कार्य के लिए हजारों किलोमीटर की अहिंसा यात्रा कर धर्म का प्रचार कर राष्ट्र संत के पद से अलंकृत किया एवं आद र की चादर ओढ़ाई एवं गुरुदेव के स्वास्थ्य की मंगल कामना किया एवं 2025 कानपुर चातुर्मास बधाई दिया। इस अवसर पर लखनऊ जैन समाज के प्रधान श्री विनीत जैन श्री मयंक जैन अजय जी नारायण खनाल एवं संपूर्ण जैन समाज के भाई-बहने उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि दोनों जैन संत कुछ समय पहले रतिया क्षेत्र में भी विचरण करके गए थे और रतिया क्षेत्र के लोगों को भी धर्म लाभ दिया था।

न्यूज फ्लैश

इग्नू ने लांच किया एमएससी इन कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट पाठ्यक्रम: डॉ धर्म पाल

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 17 जून। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी(इग्नू), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया की इग्नू ने होम साइंस विषय में पहला पीजी प्रोग्राम लांच किया है। इसका नाम एमएससी इन कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट है, यह पाठ्यक्रम दो साल का है, और यह अग्रेजी माध्यम में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग(ओडी एल) मोड में पढ़ाया जायेगा इसमें कम्युनिटी ऑर्गेनाइजेशन, डेवलपमेंट कम्युनिकेशन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, जेंडर और फील्ड रिसर्च जैसे विषय शामिल हैं। फर्स्ट ईयर में स्टूडेंट्स को डेवलपमेंट थ्योरी, कम्युनिटी ऑर्गनाइजिंग, मीडिया और डेवलपमेंट और आईसीटी कम्युनिकेशन टूल्स आदि टॉपिक पढ़ाए जाते हैं, उनके पास एक फील्ड प्रैक्टिस प्रोजेक्ट भी होगा और वे लिंग या ग्रामीण विकास में ऐच्छिक विषय ले सकते हैं। दूसरे साल में ट्रेनिंग एवं डेवलपमेंट, चाइल्ड एंड मदर हेल्थ, सोशल बिहेवियर और रिसर्च मेथोडोलॉजी जैसे विषय शामिल होंगे, कोर्स में एक रिसर्च प्रोजेक्ट भी शामिल है, स्टूडेंट्स को पास होने के लिए न्यूनतम 80 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे. क्रेडिट सिस्टम के अनुसार हर एक क्रेडिट के लिए औसतन 30 घंटे की पढ़ाई जरूरी है । इसमें क्लास वर्क, असाइनमेंट्स, सेल्फ स्टडी, प्रोजेक्ट वर्क और परीक्षा की तैयारी शामिल है। डॉ. धर्म पाल ने बताया की यह पाठ्यक्रम होम साइंस, सोशल साइंस, बिहेवियरल साइंस, कम्युनिटी साइंस और किसी भी अन्य विषय से ग्रेजुएशन करने वाले छात्रों के लिए है। जो विद्यार्थी कम्युनिटी वर्क, सामाजिक विकास, स्किलिंग या ग्रामीण विकास के क्षेत्र में काम करना चाहते है। उनके लिए यह पाठ्यक्रम एक अच्छा विकल्प है। एमएससी इन कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट में एडमिशन के लिए आवेदन ऑफिसियल वेबसाइट्लल्ड्डॅएँ२ड्ड्ल्ल.२१३ॅ.डिल्ल पर जाकर करना है। इस कोर्स की फीस 7000 रुपये प्रति वर्ष है। इसमें रजिस्ट्रेशन और डेवलपमेंट फीस भी शामिल है। इस पाठ्यक्रम को करने के बाद विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर चुन सकतें है। इसमें सरकारी और अंतराष्ट्रीय संस्थाओं में प्रोग्रामध्प्रोजेक्ट ऑफिसर, एनजीओ, सीएसआर, सोशल इंटरप्राइज, में विशेषज्ञ, स्कूलों में पीजीटी शिक्षक, स्किल डेवेलप्मेंट से जुड़े कार्य, रिसर्चर और अकादमिक संस्थानों में शिक्षक आदि शामिल है। इग्नू के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2025 है।

अवैध निमार्णों के खिलाफ चला डीटीपी का पीला पंजा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सोनीपत, 17 जून। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) अजमेर सिंह ने बताया कि जिले में पनप रही अवैध कॉलोनियों और निमार्णों को प्रारंभिक चरण में ही ध्वस्त करने के लिए उपायुक्त डॉ0 मनोज कुमार के निदेर्शानुसार प्रशासन द्वारा सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को अवैध निमार्णों के खिलाफ डीटीपी का पीला पंजा चला, जिसके तहत गांव पट्टी जाटान की राजस्व सम्पदा में 2.5 एकड़ भूमि पर बने अवैध 20 डीपीसी व कच्चा रास्तों को ध्वस्त किया गया।

नेशनल के लिए चयनित हुए आठ खिलाड़ी

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 17 जून। हरियाणा कराटे टीम सिलेक्शन 8 जून को सेक्टर 6 में स्थित कम्युनिटी सेंटर बहादुरगढ़ में हुआ। जिसमें लगभग 15 जिलों से 800 बच्चों ने भाग लिया।

इसमें फतेहाबाद जिला से 20 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें से आठ खिलाड़ियों का चयन नेशनल कराटे चैंपियनशिप के लिए हुआहै। जो कि 12 से 15 जून तक देहरादून में आयोजित करवाई जाएगी। यह फतेहाबाद जिला के कराटे के इतिहास में पहली बार इतने खिलाड़ियों का चयन एक साथ हुआ है।

इसमें फतेहाबाद टीम से अवनीत सामा, सुखचैन सिंह, इनायत कौर दिलशान गिल, लावण्या गोयल, रमनीत कौर, रीत और प्रियांशी हरियाणा टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए नैशनल चैंपियनशिप खेलेगी। इन सभी बच्चों का रतिया कराटे प्लेनेट पहुंचने पर फतेहाबाद स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के प्रधान संदीप अरोड़ा, सचिव सरजीत सिंह, उप प्रधान कुलदीप मुंड, सहसचिव अमन अरोड़ा और खिलाड़ियों तथा अभिभावकों के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। और नैशनल प्रतियोगिता में पदक जीतने का आशीर्वाद दिया।

हरियाणा रोडवेज तोशाम डिपो के चालक की बेटी गांव सरल निवासी साक्षी ने नीट में पाई सफलता

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 17 जून। हरियाणा रोडवेज तोशाम डिपो में चालक के पद पर कार्यरत गांव सरल निवासी सुरेंद्र सिंह की पुत्री साक्षी ने नीट की परीक्षा में सफलता हासिल की है। जिसको लेकर रोडवेज के तोशाम डिपो कर्मचारियों में खुशी की लहर है।

यह जानकारी देते हुए गांव सरल निवासी रोडवेज चालक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उसकी पुत्री साक्षी पढ़ाई में प्रारंभ से ही अव्वल रही है। उसकी मेहनत का ही परिणाम है कि आज उसने ग्रामीण परिवेश में रहते हुए कड़ी मेहनत के साथ नीट की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। इस अवसर पर साक्षी के परिजनों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की, वहीं रिश्तेदारों तथा ग्रामीणों ने साक्षी के परिजनों को साक्षी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी। वहीं दूसरी तरफ साक्षी की इस कामयाबी पर तोशाम बस स्टैंड इंचार्ज रतन सिंह निगाना, डीआइ कर्मवीर भाकर कतवार आदि सहित रोडवेज के समस्त कर्मचारियों ने बधाई देते हुए होनहार बेटी साक्षी को जीवन में और भी अधिक सफलता प्राप्त करने का आशीर्वाद दिया।

शहर को स्वच्छ रखने में संस्थाओं का अहम रोल : सुभाष चंद्र

स्वच्छ भारत मिशन के चेयरमैन सुभाष चंद्र ने संस्थाओं के प्रधान व सदस्यों व नगर परिषद के अधिकारियों के साथ की मीटिंग

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 17 जून। स्वच्छ भारत मिशन के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय में शहर की विभिन्न संस्थाओं के साथ सफाई के विषय पर मीटिंग की। मीटिंग के दौरान जहां संस्थाओं प्रधान व सदस्यों के द्वारा अपने अनुभव साझा किए वहीं भविष्य में सफाई के विषय में अगली क्या रणनीति होगी इस विषय पर अपनी राय रखी। चेयरमैन सुभाष चंद्र ने भी गणमान्य लोगों से मिले सुझावों को अपनी बुक में नोट किया और उन्हें अन्य क्षेत्रों में भी लागू करने का आश्वासन दिया। स्वच्छ भारत मिशन के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने कहा कि मीटिंग में आए लोगों से अनुभव साझा करने को कहा तो बताया कि किस प्रकार से उन्होंने अपने सदस्यों की कूड़े के प्वाइंटों पर ड्यूटी लगाकर वहां

कूडा फेकने वालों लोगों को समझाकर कूडे के प्वाइंट को खत्म किया। दुकानदार ने कहा कि यदि उनके पास कोई अपना थैला लेकर आता है तो उनके द्वारा डिस्काउंट दिया जाता है। संस्था के सदस्य ने बताया कि वे जो कैरी बैग में सामान डालकर देते हैं उस पर अपनी दुकान के नाम के साथ-साथ स्वच्छता का भी स्लोगन लिखवाएंगे। वहीं स्वच्छ भारत मिशन आयोग के सदस्य अवनी गुप्ता ने कहा कि कोई भी व्यक्ति या संस्था भंडारा लगाती है या फिर अन्य कोई सामाजिक कार्य किया जाता है तो उनके पास से सेक्टर 13 से फ्री में स्टील के बर्तन लेकर जा सकता है। इसलिए कोई भी प्लास्टिक या पॉलीथिन का प्रयोग न करें।

घर से थैला लाने वाले ग्राहकों को देंगे गिफ्ट : दुकानदार

दुकानदारों ने कहा कि यदि उनके पास भी कोई घर से थैला लेकर आता है तो वे ऐसे ग्राहकों गिफ्ट भी देंगे, इससे पालिथिन का प्रयोग कम हो जाएगा। इसके बाद चंद्र ने सेक्टर 7 स्थित शिव मंदिर में भी एक मीटिंग को संबोधित किया और सफाई का संदेश दिया। इस मौके पर चैयरपर्सन के प्रतिनिधि मलकीत ढांडा, डा. केवल कृष्ण, अशोक शर्मा, गगन कोहली, जगबीर सिंगला, हिमांशु, मोहित कक्कड, एनके मनोचा, बलदेव सैनी, प्रदीप झांम, फतेहचंद गांधी, राजेंद्र पराशर, स्वच्छ भारत मिशन आयोग के सदस्य सुनील वर्मा, वॉह फाउंडेशन से जसबीर कुमार, नगर परिषद से कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार, सचिव अशोक कुमार, एक्सईएन रवि ओबराय, एमई मंगू राम, एमई जयपाल, मुख्य सफाई निरीक्षक जितेंद्र नरवाल, सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार, फिल्ड आफिसर अनूप सिंह, आईईसी एक्सपर्ट वीरेंद्र कुमार भारद्वाज के अलावा अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

योग, आदर्श दिनचर्या, सात्विक आहार अपनाकर बचा जा सकता है बीमारियों से : शशी बाला

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने किया योग प्रोटोकॉल का अभ्यास

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 17 जून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की श्रृंखला में जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग कैथल के संयुक्त तत्वाधान में हनुमान वाटिका कैथल में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकताओं व हेल्पर के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पतंजलि योग समिति के तहसील प्रभारी बीरभान कौशिक तथा आयुष योग सहायक संदीप तंवर, संजू आर्या, संदीप चहल एवं कनिका द्वारा योग प्रोटोकॉल के अभ्यास में जोड़ो के दर्द को दूर करने हेतु गर्दन, कंधे, कमर, घुटने आदि के लिए सूक्ष्म व्यायाम करवाए गए। इसके साथ ही ताड़ासन,

पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, सेतुबंधासन, मकरासन, भुजंगासन तथा प्राणायाम में अनुलोम विलोम, भ्रामरी, शीतली, कपालभाति व ध्यान का अभ्यास करवाया गया।

बीरभान कौशिक ने बताया कि महिलाओं को सेतुबंधासन, गोमुखासन, तितली आसन, कपालभाति अनुलोम विलोम का अभ्यास नियमित करना चाहिए। इससे शारीरिक क्षमता तो बढ़ती है साथ ही यूटरस की बीमारियों से भी निजात मिलती है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी शशी बाला ने बताया कि महिलाओं को अपने दैनिक जीवन में योग को अवश्य अपनाना चाहिए, क्योंकि आजकल महिलाओं में यूटरस में रसौली तथा ब्रेस्ट में गांठ आदि बीमारियां उत्पन्न होने की समस्याएं ज्यादा होने लगी है। इसलिए योग, आदर्श दिनचर्या, सात्विक आहार विहार से ही इन सभी बीमारियों को उत्पन्न होने से रोका जा सकता है।

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया ने बताया कि 21 जून योग दिवस की तैयारियों के लिए सभी विभागों के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे है, ताकि सभी लोग पहले ही प्रशिक्षित हो जाए और 21 जून के दिन योग आसनों में एकरूपता बन सके। कलायत, राजौंद, पूंडरी, ढांड, सीवन, गुहला सहित 6 खंडों तथा कैथल में जिला स्तरीय कार्यक्रम की पायलट रिहर्सल 20 जून को आयोजित की जाएगी तथा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा।

स्वस्थ शरीर के लिए एक संरचित और व्यवस्थित तरीके से योग अभ्यास जरुरी : कंवलजीत कौर

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 17 जून। जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए योग प्रोटोकॉल एक संरचित और व्यवस्थित तरीके से योगाभ्यास करने की प्रक्रिया है। इसमें योग आसनों, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम तकनीकों का संयोजन होता है, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर मंगलवार को ब्रह्मसरोवर के मेडिटेशन हॉल में आयोजित योग प्रोटोकॉल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंची। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला

कार्यक्रम अधिकारी बलजीत कौर ने की। इस कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर और सभी आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर द्वारा भाग लिया गया। इस कार्यक्रम में 780 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आयुष विभाग द्वारा योग प्रशिक्षण दिया गया। इसमें स्वास्थ्य संबंधी सभी योगासन कराए जा रहे हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व आंगनबाड़ी सहायिका को सम्मानित किया गया। वह उनका हौसला बढ़ाया गया आयुष विभाग द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी बलजीत कौर को पौधा देकर सम्मानित किया गया। वह उनका स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले में 21 जून को बड़ा त्योहार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में एक लाख लोग एकसाथ योग में हिस्सा लेंगे। उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए परिवार सहित हिस्सा लें।

फतेहाबाद पुलिस को बड़ी सफलता: भिरड़ाना गोलीकांड में असली हथियार सप्लायर गिरफ्तार, न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

फतेहाबाद, 17 जून। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के नेतृत्व में चलाए जा रहे अपराध मुक्त अभियान को एक और बड़ी सफलता मिली है।

थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने भिरड़ाना गोलीकांड मामले में अवैध हथियार सप्लाई करने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी की

पहचान अतुल पुत्र वीरसिंह, निवासी मेथाना, जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। आरोपी को आज न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

गौरतलब है कि भिरड़ाना गांव में घटित गोलीकांड की सूचना मिलते ही पुलिस ने केवल 35 मिनट में तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया था, जिनके कब्जे से अवैध हथियार भी बरामद किए गए थे।

प्रारंभिक जांच और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने हथियारों की सप्लाई करने वाले वास्तविक सप्लायर की पहचान कर उसे भी काबू किया, जो कि इस आपराधिक नेटवर्क की एक अहम कड़ी था।

यह गिरफ्तारी न केवल गोलीकांड से जुड़ी जांच में महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि अवैध हथियारों के कारोबार पर भी एक ठोस कार्रवाई है।

कन्या भ्रूण हत्या करने वालों को बख्शा न जाए : उत्तम सिंह

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 17 जून। उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या एक जघन्य अपराध है। इस अपराध में संलिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए, दोषी को सजा अवश्य मिले। इसके लिए अधिकारियों को कहा कि पैरवी बेहतरीन तरीके से की जाए।

उपायुक्त मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण अधिनियम (पीएनडीटी एक्ट)के तहत गठित जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में बोल रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि लिंग परीक्षण करवाना और करना दोनों कानूनी तौर पर अपराध हैं, ऐसे व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखें और सख्त कार्रवाई करें। कन्या भ्रूण हत्या एक सामाजिक बुराई है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने सीएमओ को निर्देश दिए कि लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर रेड बढ़ाएं तथा औचक निरीक्षण कर उनके रिकॉर्ड की जांच करें। उन्होंने कहा कि अब तक कन्या भ्रूण हत्या से जुड़े जितने मामले दर्ज हुए हैं, उनका डाटा अगली बैठक में प्रस्तुत करें और यह भी बताना सुनिश्चित करें कि कितने लोगों को सजा मिली है और कितने लोग बरी हुए हैं, साथ ही बरी होने का कारण भी स्पष्ट करें। उन्होंने कहा कि पीएनडीटी से जुड़े मामलों को जिला न्यायवादी के संज्ञान में लाएं ताकि उनकी बेहतरीन तरीके से पैरवी हो सके, दोषी को सजा मिले। उन्होंने कहा कि जो टीम लिंगानुपात जांच की सूचना मिलने पर रेड करने जाती है, उसकी ट्रेनिंग करवाएं तथा फिर भी वो अगर रेड में सही कार्य नही कर पाते हैं तो उन कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने सीएमओ को कहा कि जिन गांवों में लिंगानुपात कम है, उन गांवों की सूची बनाएं तथा वहां पर जागरूकता कार्यक्रम भी चलाएं।

उन्होंने ड्रग कंट्रोल अधिकारी को निर्देश दिए कि मेडिकल स्टोर का नियमित निरीक्षण करें और उनके रिकॉर्ड की जांच करें। मेडिकल स्टोर पर लगाए गए हाई रेजोल्यूशन के सीसीटीवी कैमरों को समय-समय पर चेक करें तथा उसके रिकॉर्ड की एक प्रति भी अगली बैठक में लेकर आएं। उन्होंने डीपीओ को निर्देश दिए कि सीडीपीओ, सुपरवाइजरों की बैठक बुलाएं और इसके बाद धरातल पर कार्य कर रही आंगनबाड़ी कार्यकताओं को सचेत करें कि उनके क्षेत्र में कन्या भ्रूण हत्या से संबंधित कोई भी घटना न घटे और गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान रखें और उनके पास उनके गांवों का पूरा रिकॉर्ड होना चाहिए कि गांव में कितने बच्चे हुए हैं और कितनी महिलाएं गर्भवती हैं।

बैठक में सीएमओ डॉ पूनम चौधरी ने बताया कि पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों और नियमों के उल्लंघन करने पर 5 वर्ष तक की सजा एवं 10 हजार रुपये तक का जुमार्ने का प्रावधान है तथा नियमों की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ गुप्त सूचना देने वाले को 1 लाख रुपये तक का इनाम देने का भी एक्ट में प्रावधान किया गया है। सीएमओ ने बताया कि आशा वर्कर्स के माध्यम से ऐसी गर्भवती महिलाओं पर विशेष नजर रखी जाती है जिनके पास पहले से एक या दो बेटियां हैं।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ पूनम चौधरी, पीसीपीएनडीटी एक्ट की नोडल अधिकारी डॉ शीनू चौधरी, डीपीओ सीमा प्रसाद, ड्रग कंट्रोलर विकास राठी तथा पुलिस अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

21 को योग दिवस कार्यक्रम में लें बढ़-चढकर हिस्सा-उत्तम

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 17 जून। उपायुक्त उत्तम सिंह ने जिलावासियों से आह्वान किया है कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में भाग लें। उन्होंने कहा कि योग न केवल व्यक्ति को शारीरिक व मानसिक रूप से निरोग रखता है बल्कि उसकी कार्य करने की क्षमता भी बढ़ जाती है। योग दिवस को लेकर जिला स्तर पर तैयारियां जारी हैं। विभिन्न विभागों द्वारा योग प्रोटोकोल का अभ्यास भी कराया जा रहा है। इस प्रोटोकॉल में सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम व ध्यान की क्रियाओं का समावेश किया गया है। हर आयु वर्ग के व्यक्ति इस आसान क्रियाओं को कुछ सावधानियों के साथ आसानी से कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाया जा रहा है। उन्हीं के प्रयासों से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत द्वारा 21 जून के दिन को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रस्ताव दिया था, 11 दिसम्बर 2014 को भारत के इस प्रस्ताव को 177 देशों के समर्थन के साथ स्वीकार कर लिया गया और 21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस क्रम में 21 जून को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। करनाल में भी जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस कार्यक्रम में बढ़-चढकर हिस्सा लें और योग की अलख जगाएं।

उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन परंपरा है। योग को भारत ने विश्व को दिया है। हमारे ऋषि मुनियों ने योग का प्रचार-प्रसार किया। आज विश्व भर के लोग योग कर रहे हैं और योगासनों का लाभ उठा रहे हैं। योग करने से शारीरिक रूप से तो स्वस्थ होते हैं हीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका बेहतर प्रभाव डालता है। 21 जून के कार्यक्रम को लेकर आयुष विभाग द्वारा तैयारियां शुरू की गई हैं। निरंतर योग अभ्यास किए जा रहे हैं। योग से न केवल स्वयं का बल्कि पूरे समाज का कल्याण होता है। उन्होंने कहा कि योग कला के साथ-साथ एक विज्ञान भी है। निरंतर योग करने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन में शामिल किया जाना चाहिए।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 19 को रोजगार मेला

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 17 जून। अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार की अध्यक्षता में जिला रोजगार कार्यालय एवं जिला रोजगार समन्वय कमेटी की ओर से 19 जून को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ब्वाय) में सुबह 10 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न कंपनियां भाग लेंगी। यह जानकारी देते हुए जिला रोजगार अधिकारी रणजीत सिंह रावत ने बताया कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराने के लिए इसमें विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में पुखराज हेल्थ केयर, इंटर इंस्टीट्यूशनल कंप्यूटर सेंटर, फ्रीडम एम्प्लायबिलिटी एकेडमी, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एसबीआई बैंक, नारनौल नव ज्योति बायो फर्टिलाइजर, जी-4एस, सिक्योर सॉल्यूशन लिमिटेड गुरुग्राम, ट्रांसपोर्ट कॉपोरेशन इंडिया गुरुग्राम, एआरजीएल मानेसर व जय भारत मारुति गुरुग्राम कंपनी भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि इस मेले में कोई भी 10वीं, 12वीं, स्नातक व स्नातकोत्तर पासशुदा अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं।

कई प्रकार से अटैक करता है माइग्रेन

चारू (बदला हुआ नाम) को अक्सर सुबह उठते ही सिरदर्द होने लगता था। सिरदर्द की उत्तेजना इतनी अधिक होती थी कि उसे किसी तरह से आराम नहीं मिलता था। कभी-कभी तो वह अपना सिर दीवार में मारने लगती थी। तो, हारकर उसने डाक्टर को दिखाया तब पता चला कि वह सिरदर्द की ऐसी समस्या से ग्रस्त है जो कि जीवन भर उसका साथ नहीं छोड़ेगी। असल में, वह माइग्रेन की चपेट में आ चुकी थी। दर्द हमारे जीवन का एक अभिन्न भाग है। हर कोई कभी न कभी, कहीं न कहीं तो किसी न किसी प्रकार के दर्द से अवश्य ही जूझता है। कमर दर्द, दांत दर्द, पैर दर्द, गर्दन दर्द तो ऐसे आम दर्द हैं, जिनकी शिकायत रोजाना सुनने को मिल सकती है। ऐसा ही एक आम तौर पर उभरने वाला दर्द है-सिरदर्द। हम अक्सर ही सिरदर्द से परेशान हो जाते हैं। वैसे तो सिरदर्द को सामान्य ही समझा जाता है, लेकिन हर केस में अक्सर होने वाला सिरदर्द आम नहीं होता है। माइग्रेन साधारतणः सिर व गर्दन में हल्के दर्द के साथ शुरू होता है और बढ़ते-बढ़ते सिर के एक हिस्से में पहुंच जाता है। यह सामान्यतः कुछ घंटों में दूर हो जाता है और इस के लक्षणों में जी मचलना, उल्टी होना, रोशनी को देखकर घबराहट होना, शोर या किसी भी प्रकार की खुशबू से चिढ़न होना, गर्दन या कंधे में दर्द या उन्हें मोडने में दर्द होना, दृष्टि संबंधी समस्याएं, पेट में गड़बड़ी, उबासी लेने में दबाव, मुंह का सूखना व कपकपी उठना आदि शामिल हैं। ऐसे कारक जिनसे माइग्रेन सिरदर्द उत्पन्न होने के खतरे अधिक रहते हैं- चाकलेट, शराब, चीज, नट्स का सेवन, दुर्गंध, हार्मोनल बदलाव, शोर-शराबा, तेज रोशनी, भावनात्मक तनाव, मौसम में बदलाव, सोने के तरीकों में बदलाव, व्यायाम, धूम्रपान, आहार को मिस करना। माइग्रेन के भी कई प्रकार होते है। विभिन्न प्रकार के माइग्रेन-

साधारण माइग्रेन-

यह ऐसा सिरदर्द होता है जो कि बिना किसी आहट के शुरु होता है। इस सिरदर्द के शुरु होने से पहले इसके कोई लक्षण नहीं उभरते हैं जैसा कि अन्य प्रकार के माइग्रेन में होता है।

क्लासिक माइग्रेन-

इसमें सिरदर्द शुरु होने से पहले कई अन्य लक्षण उभरने लगते हैं जैसे धुंधली दृष्टि, ठीक से सुनाई न देना, देखते समय अजीब-अजीब सी आकृतियों का दिखाई देना आदि। सिरदर्द शुरु होने से तकरीबन आधा घंटा पहले ये लक्षण उभर सकते हैं।

रीबाउंड सिरदर्द

जब भी पीडित के शरीर पर दवाइयों के डोज का असर न हो और सिरदर्द बरकरार रहे तो डोज बढ़ाकर ली जाती है। इससे कुछ समय तक तो उन दवाइयों का असर दिखता है, लेकिन आगे च ल क र दवाइयों को बढ़ाया डोज का भी कोई प्रभाव नहीं होता है। तो, सिरदर्द बार-बार उभरने लगता है व माइग्रेन के लक्षण और भयानक होने लगते हैं। एक सप्ताह में यह दर्द दो से तीन बार तक हो सकता है।

ओक्युलर माइग्रेन-

इस माइग्रेन के दौरान आंखों की रक्तवाहिनियां प्रभावित होती हैं न कि सिर की कोई रक्तवाहिनी। इससे पीडित को देखने में समस्या होती है। आंखों में अजीब सा प्रकाश दिखने लगता है। ये समस्या 15 से 20 मिनट तक रहती है फिर सब सामान्य हो जाता है लेकिन बहुत से लोगों को इसके बाद हल्के सिरदर्द की शिकायत होती है।

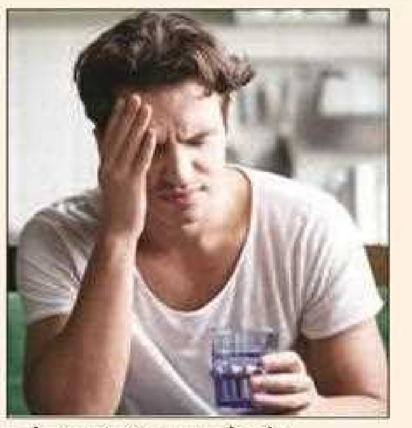

आफ थामोलजिक सिरदर्द-

इसका संबंध भी आंखों की मध्य नसों से ही होता है। इसमें सिरदर्द भी होता है और पीडित को उल्टी भी होती है। जैसे-जैसे सिरदर्द बढ़ता है वैसे-वैसे आंखों की कुछ नसें पैरालिटिक हो जाती हैं। ऐसे में, आंखों की पलकें लटक जाती हैं। कई सप्ताहों तक वे ऐसे ही लटकी हुई प्रतीत होती हैं।

सिरदर्द रहित माइग्रेन-

इस प्रकार में पीडित को सिरदर्द तो नहीं होता, बल्कि अन्य लक्षण थोड़ी देर के लिए परेशान कर सकते हैं। ये उन लोगों को होता है, जिनका इतिहास माइग्रेन से ग्रस्त रहा हो।

बेसिलियर आर्टरी-

इसमें मस्तिष्क की धमनी में दर्द की वजह से सिरदर्द उत्पन्न हो सकता है। इससे बोलने व देखने में तकलीफ हो सकती है। बड़ों से ज्यादा बच्चे इससे प्रभावित होते हैं।

कैरोटीडिनिया-

इसमें चेहरे का आधा भाग प्रभावित होता है जैसे जॉलाइन व गर्दन का भाग। यह दर्द तीव्र व भयानक भी हो सकता है या फिर कम व हल्का भी हो सकता है। कैराटिड रक्तवाहिनी में सूजन भी हो सकती है। यह बुजुर्ग लोगों में अधिक पाया जाता है। इसका असर कई घंटों तक रह सकता है और यह सप्ताह में एक से ज्यादा बार तक हो सकता है। माइग्रेन के उचित उपचार के लिए कुछ परीक्षणों की आवश्यकता होती है, जिसमें रक्त की जांच, ब्रेन स्कैनिंग (सी टी या एम आर आई तथा स्पाइनल टेप) शामिल हैं।

मरीजों के लिए याद रखने योग्य बातें-

डॉ. अमिताभ गुप्ता का कहना है कि समय पर सोना व जगना चाहिए। नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए। बहुत ज्यादा देर तक भूखे नहीं रखना चाहिए। तनाव को नियमित व्यायाम के द्वारा नियंत्रित करना चाहिए। बहुत तेज व चुभने वाली रोशनी से बचना चाहिए। उन चीजों को पहचान कर उनसे बचना चाहिए, जिनसे ये समस्या होने की संभावना हो। आप के डाक्टर को माइग्रेन के इलाज प्रणाली से पूरी तरह परिचित होना चाहिए। दवाओं के बुरे प्रभावों को ध्यान में रखकर दवाएं दी जानी चाहिए। पहले दवाओं को कम मात्रा में शुरू करके धीरे-धीरे इसकी मात्रा को बढ़ाया जाना चाहिए। इससे दवाओं के बुरे प्रभाव को कम किया जा सकता है। हालांकि कोई भी सिरदर्द बेवजह उत्पन्न नहीं होता है और यह भी जरूरी नहीं कि हर बार उसका कारण साधारण ही हो। ऐसे में, केवल दर्दनाशक दवा का सेवन कर सिरदर्द के प्रहार को उस क्षण के लिए तो खत्म किया जा सकता है, लेकिन उससे होने वाले लंबे समय के परिणामों को तो रोका नहीं जा सकता, जो कि शरीर की गतिविधियों पर गलत ही प्रभाव डालते हैं जैसे उच्च व निम्न रक्तचाप हृदय व फेफेड़ों में परेशानी, मस्तिष्क विकार, नींद की कमी, नपुंसकता, पौष्टिक अल्सर, गैस विकास, गुर्दे व लीवर खराब होना इत्यादि। तो, अगली बार जब भी आप सिरदर्द को दूर करने के लिए किसी भी दर्दनाशक दवा का सेवन करें तो उससे पहले इन दुष्प्रभावों के बारे में जरूर सोचें और डाक्टरी सलाह लेने में न हिचकें। माइग्रेन लिंगभेद का प्रमाण देते हुए औरतों पर अधिक प्रहार करता है, क्यों कि डाक्टरों के पास आने वाले माइग्रेन के मरीजों में औरतों की संख्या अधिक है। किंतु दुर्भाग्यवश माइग्रेन से पीडित चार में से एक औरत ही इसका उपचार कराती है। अन्य औरतों को जब माइग्रेन अटैक पड़ता है तो वे दर्दनाशक को अपना साथी समझ उसका सेवन करती रहती हैं और जानकारी के अभाव में अधिकतर औरतें इस दर्द के साथ केवल दर्दनाशक दवाइयों का सेवन करते हुए जी रही हैं।

चुटकी भर काले जीरे से ऐसे कम करिए अपना वजन

पतला होना यानि की मोटे शरीर से स्लिम-ट्रिम होना कौन नहीं चाहता और इसके लिए लोग खासी मशक्त भी करते हैं। सुबह-सुबह उठकर जिम जाना कई किलोमीटर तक भाग-भागकर पसीना बहाना तब जाकर कहीं इस मोटापे से छुटकारा मिलने के आसार नजर आते हैं। और उसके बाद वही उबला हुआ बेस्वाद खाना। कभी आपने सोचा तो जरूर होगा कि क्या किसी हाजमे को ठीक करने वाले चूरन की तरह इस मोटी चर्बी वाले शरीर के लिए भी कोई चूरन बना होता तो क्या बात होती। खैर अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है, क्योंकि अभी भी एक ऐसी चीज है जिसे चुटकी भर खाने के बाद आपको किसी भी जिम में पसीना बहाने की जरूरत नहीं महसूस होगी। खासकर लड़कियों को जिनके लिए अपने पूरे दिन का शेड्यूल मैनेज करना बहुत ही मुश्किल होता है।

यकीन मानिए इसे खाने के बाद आपको किसी भी तरह का साइड इफेक्ट नहीं होगा। यह हर करह से फायदेमंद है। दरअसल हम बात कर रहे है खाने में इस्तेमाल होने वाले काले जीरे की, जिसे अक्सर पेट दर्द में भी हम खा लिया करते है। रसोई घर में ज्यादातर इसका इस्तेमाल होता है और यह आसानी से आपको हर में मिल जाएगा।

इसके बाद भी कोई बड़ा बदलाव नहीं हासिल होता उन्हें, लेकिन अब जीरा वजन कम करने में आपकी मदद करेगा। खाने के स्वाद को बढ़ाने वाला जीरा, खासतौर से दाल में डालने वाला जीरा हर किसी को पसंद है। कुछ लोग चावल पकाते समय भी जीरे का प्रयोग करते हैं, क्योंकि इसके खुशबू भी काफी अच्छी लगती है जो पकवान की सुगंध को बढ़ा देती है।

वजन कम करने के साथ साथ यह बहुत सारी अन्य बीमारियों से भी बचाता है, जैसे कोलेस्ट्रॉल कम करता है, हार्ट अटैक से बचाता है, स्मरण शक्ति बढ़ाता है, खून की कमी को ठीक करता है, पाचन तंत्र ठीक कर गैस और ऐंठन ठीक करता है।

दो बड़े चम्मच जीरा एक गिलास पानी मे भिगो कर रात भर के लिए रख दें। सुबह इसे उबाल लें और गर्म-गर्म चाय की तरह पियें। बचा हुआ जीरा भी चबा लें। इसके रोजाना सेवन से शरीर के किसी भी कोने से अनावश्यक चर्बी शरीर से बाहर निकल जाती है।

लेकिन ऐसी भी होता है कि कई लोगों को इसका टेस्ट पसंद नहीं आता वो इसे सादा खाना पसंद नहीं करते तो आप एक काम कर सकते हैं कि जब भी कुछ पकायें तो जीरा पाऊडर उसमे मिला लिजिए। इसका इस्तेमाल खाने में रोजाना करें तो ज्यादा बेहतर है।

इसके अलावा, आप 5 ग्राम दही मे एक चम्मच जीरा पाउडर मिलाकर यदि इसका रोजाना सेवन करें, एक हफ्ते के अंदर-अंदर आपको फर्क महसूस होने लग जाएगा। 3 ग्राम जीरा पाउडर को पानी में मिलाएं इसमें कुछ बूंदें शहद की डालें फिर इसे पी जाएं। वेजिटेबल यानि सब्जियों के उपयोग से सूप बनाएं, इसमें एक चम्मच जीरा डालें। या फिर ब्राउन राइस बनाएं इसमें जीर डालें यह सिर्फ इसका स्वाद ही नहीं बढ़ाएगा बल्कि आपका वजन भी कम करेगा।

अदरक और नींबू दोनों जीरे की वजन कम करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। इसके लिए गाजर और थोड़ी सब्जियों को उबाल लें इसमें अदरक को कद्दूकस यानि कि बिल्कुल बारीक कर लें, साथ ही ऊपर से जीरा और नींबू का रस डालें और इसे रात में खाएं।

जीरे में मौजूद पोषक तत्व और एंटीऑक्सीकडेंट आपकी पाचन शक्ति को बढ़ाता है, जिससे पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है। यह चर्बी ही तो मोटापे को दावत देती है। जिसे जीरा आसानी से खत्म कर देता है। इसके अलावा जीरा खाने को पचाने में मदद करता है जिससे गैस कम बनती है। जीरा गैस को बनने से रोकता है जिससे पेट और आंतों में अच्छे से खाना पच जाता है।

गर्भावस्था के दौरान कुछ ब्यूटी टिप्स से बरतें सावधानी

खूबसूरत दिखने की चाहत और हाइजीन से जुड़ी आवश्यकताएं, महिलाओं को हर महीने पार्लर का चक्कर जरूर लगवाती हैं। ऐसे में कई बार गर्भावस्था के दौरान पार्लर में कौन से चीजें कराएं और कौन सी नहीं, महिलाओं के लिए अक्सर चिंता का विषय रहता है। ऐसे में जानिए, ऐसे ब्यूटी ट्रीटमेंट के बारे में, जिन्हें गर्भावस्था के शुरुआती महीनों के दौरान करवाना जच्चा और बच्चा, दोनों की सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

खास किस्म के उत्पाद

फेशियल के लिए तमाम तरह की क्रीम, स्क्रब, क्लींजर आदि का इस्तेमाल सामान्य तौर पर त्वचा की सफाई के लिए जरूरी है लेकिन कई बार गर्भावस्था के दौरान इनके इस्तेमाल से समस्याएं हो सकती हैं। इन ब्यूटी ट्रीटमेंट के कारण त्वचा पर रैशेज, इचिंग जैसी कोई भी समस्या हो सकती है जिसके उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाएं गर्भावस्था के दौरान नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसके अलावा, स्पा, फेशियल और बॉडी मसाज भी गर्भावस्था के दौरान रक्त संचार को प्रभावित करते हैं जिससे गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है।

गर्म तापमान वाली प्रक्रियाएं

गर्भावस्था के दौरान गर्म तापमान वाली चीजों से दूरी बरतना जरूरी है। ऐसे में इस दौरान जो महिलाएं पार्लर में सौना बाथ, स्टीम बाथ, हॉट टब्स जैसे स्पा लेती हैं, वे गर्भावस्था के दौरान इनसे बचें। यहां तक कि गर्म वैक्सिंग की प्रक्रिया भी गर्भावस्था के शुरुआती महीनों में नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे में गर्म वैक्स के बजाय ऑप कोल्ड वैक्स या हेयर रिमूवर क्रीम आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्म तापमान के संपर्क में आने से शरीर का रक्त संचार बढ़ जाता है जिससे गर्भपात का रिस्क बढ़ जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि गर्भावस्था के दौरान इलेक्ट्रोलाइटिस और लेजर ट्रीटमेंट का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

पेडिक्योर और मसाज

गर्भावस्था के दौरान पेडिक्योर और मसाज आदि भी महिलाओं के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। पैर की एड़ी में ऐसे कई प्वाइंट्स हैं जिन पर मसाज करने से यूट्रस में सिकुड़न हो सकती है। बॉडी पॉलिश कॉस्मेटिक्स भी महिलाओं के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान पेडिक्योर, मैनीक्योर व बॉडी मसाज से बचना ही समझदारी है।

मानसून इंफेक्शन से बचने के लिए क्या करें?

गर्मी से परेशान हर किसी का मन बारिश की फुहार पड़ते ही खुश हो जाता है। बच्चों और महिलाओं को तो बारिश में भीगने में भी बहुत मजा आता है। लेकिन इस खुशनुमा मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही बरतने, साफ-सफाई का ध्यान न रखने पर, बीमारियों की चपेट में आने की संभावना रहती है, कई तरह के इंफेक्शन भी होते हैं। लेकिन इनसे बचाव भी संभव है, बस आपको थोड़ा सजग रहने की जरूरत है।

इंफेक्शन से बचने के लिए क्या करें?

बारिश में रिंगवॉर्म यानी दाद-खाज की प्रॉब्लम बड़े-छोटे सभी को होती है। पसीना ज्यादा आने, मॉयश्चर रहने, गीले कपड़े पहनने, कपड़ों में साबुन के पार्ट रहने से ऐसा हो सकता है। इनमें रिंग की तरह रैशेज होते हैं, जो अंदर से साफ होते हैं और बाहर की तरफ फैलते जाते हैं, इनमें खुजली होती है। यह एक व्यक्ति से दूसरे में फैल सकते हैं। महिलाओं में वैजाइनल फंगल इंफेक्शन भी बरसात के मौसम में बहुत ज्यादा होता है। इससे वैजाइना एरिया में ईचिंग रहती है और इंटरकोर्स में दिक्कत आती है। जहां तक हो सके फंगल इंफेक्शन से प्रभावित त्वचा को स्वच्छ और सूखा रखें। डॉक्टर की सलाह पर एंटी फंगल क्रीम लगाएं और दवा लें।

एथलीट्स फुट इन्फेक्शन से कैसे बचें?

बारिश के मौसम में बहुत ज्यादा बैली पहनने वाली महिलाओं के पैरों में यह इंफेक्शन हो सकता है। उनके पैरों की अंगुलियों के बीच की स्किन गलने लगती है। ध्यान न देने पर यह इंफेक्शन नाखून तक फैल जाता है और पैरों की स्किन सफेद पड़ जाती है। पैरों की नियमित सफाई करें। जितना हो सके पैरों को हवा लगाएं, पावडर डालें। खुले सैंडल या आरामदायक फुटवियर पहनें, जिससे पैरों को हवा मिलती रहे और वे सूखे रहें। डॉक्टर के परामर्श से दवाई लें।

बालों में फंगल इंफेक्शन से कैसे बचें?

बारिश में भीगने, गीले होने, पसीने से तर-बतर होने या मॉयश्चर अधिक होने के कारण इस मौसम में बाल भी अछूते नहीं रहते हैं। उनमें भी फंगल इंफेक्शन हो जाता है। बालों में फंगल इंफेक्शन हर उम्र की महिला या व्यक्ति को हो सकता है। जिससे बालों में डेंड्रफ हो जाती है, बालों की जड़ें कमजोर पड़ जाती हैं और बाल झड़ने की समस्या भी आ जाती है। जहां तक संभव हो बालों को साफ-सुथरा और सूखा रखें। ऑयल कम लगाएं। अगर जरूरत हो तो सिर धोने से पहले ऑयल लगा लें। माइल्ड एंटी डेंड्रफ शैंपू यूज करें। सिर धोने के बाद एक नीबू का रस एक मग पानी में घोलें और इससे फिर बालों को धो लें। यह बालों के लिए बेहतरीन कंडीशनर का काम करेगा और बरसात के मौसम में बालों का मॉयश्चर कम करेगा।

गैस्ट्रोइंटराइटिस इंफेक्शन से कैसे बचें?

बारिश के मौसम में खाने-पीने की चीजों में आसानी से बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। दूषित खाना या गंदा पानी पीने से, या आइसक्रीम, चुस्की, जूस पीने से पेट में गैस्ट्रोइंटराइटिस इंफेक्शन यानी डायरिया हो जाता है। इसमें रोटावायरस और नोरोवायरस नाम के वायरस इंफेक्शन फैलाते हैं। सबसे ज्यादा बच्चों का डाइजेस्टिव सिस्टम प्रभावित होता है।

इस मौसम में खाने में थोड़ी-सी भी लापरवाही या ठीक से न बनाया गया खाना खाने की वजह से बच्चे डायरिया की चपेट में आ सकते हैं। डायरिया में मरीज को दिन में 4-5 बार पतले दस्त आते हैं। डिहाइड्रेशन हो जाता है, उल्टियां भी हो सकती हैं। पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द, मरोड़ के साथ दस्त, तेज बुखार, टॉयलेट में खून आना, बहुत कमजोरी होना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

पीड़ित ओआरएस का घोल या नमक-चीनी की शिकंजी लगातार देते रहें। प्रोबॉयोटिक्स दही लें। उल्टी रोकने और दस्त रोकने के लिए डॉक्टर से कंसल्ट करके दवा लें। पेट में मरोड़ के लिए भी दवाई दी जाती है। इसके साथ मरीज को आधा-एक घंटे के गैप में नारियल पानी, नीबू पानी, छाछ, दाल का पानी के साथ-साथ खिचड़ी, दलिया जैसा हल्का-फुल्का खाना भी दें। बहुत ठंडा पानी पीने, बाहर की आइसक्रीम खाने या बाहर का खाना खाने से बचें। हाईजीन का भी ध्यान रखना चाहिए।

कमाल की इम्यूनिटी बूस्टर है काली मिर्च

टमाटर काली मिर्च सूप रहेगा सही : आप काली मिर्च को टमाटर सूप में मिलाकर सेवन कर सकती है। टमाटर का सूप एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन आदि पोषक गुणों से भरपूर होता है। इसके सेवन से शरीर को अंदर से मजबूती मिलने के साथ तनाव कम होने में मदद मिलेगी। वहीं काली मिर्च को टमाटर सूप में मिलाने से शरीर को गर्मी मिलेगी। साथ ही इम्यूनिटी तेजी से बूस्ट होगी।

ऐसे बनाएं सूप : 2-3 टमाटर, काली मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच पिसी, अदरक- 1 इंच टुकड़ा, लहसुन की कलियां- 3-4, दालचीनी की छड़ी- 1 इंच, प्याज- 25 ग्राम, नमक- स्वाद अनुसार, तेल- 1 बड़ा चम्मच, पानी- जरूरत अनुसार।

विधिः इसे बनाने के लिए पैन में पानी, अदरक, टमाटर, दालचीनी और काली मिर्च पाउडर डालकर उबालें। मिश्रण के ठंडा होने पर इसे पीस लें। अब अलग पैन में तेल गर्म करके लहसुन और प्याज भूनें। फिर टमाटर का मिश्रण और नमक डालकर कुछ देर उबालें। तैयार सूप को सर्विंग बाउल में निकाल कर थोड़ी सी काली मिर्च डालकर सर्व करें।

काली मिर्च की चाय भी रहेगी सही : आप चाहे तो काली मिर्च की चाय भी बना कर पी सकती है। इससे इम्यूनिटी बढ़ेगी। वहीं काली मिर्च मेटाबॉलिज्म तेज करने में मदद करती है। इससे शरीर में जमा एक्स्ट्रा चर्बी कम होने में मदद मिलेगी। वहीं सर्दी, खांसी, जुकाम आदि मौसमी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। ऐसे में आप एकदम फिट एंड फाइन महसूस करेंगे।

ऐसे बनाएं चाय : पानी 2 कप, काली मिर्च- 4-5 (पीसी हुई), नींबू का रस 1 छोटा चम्मच, अदरक- 1 छोटा टुकड़ा।

विधिः काली मिर्च की चाय बनाने के लिए पैन में सभी चीजों मिलाकर 5 मिनट तक उबालें। फिर इसे कुछ देर पानी में भीगे रहने दें। बाद में चाय को छानकर गर्मागर्म पीने का मजा लें।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोन:01252-259260, 9255149495,
ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।